RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 307 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 07-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधान का पद पर बने रहना लाखों छात्रों और उनके परिवारों का अपमान

6 सिपाही रविकांत ठाकुर : भारत मां का शेर, जख्मी होकर भी 3 आतंकवादियों को कर गया ढेर

7 मैं चुप नहीं बैठूंगी और न्याय के लिए लड़ती रहूंगी : सेलिना जेटली

फर्स्ट टेक

केरल में खाद्य विषाक्तता की चपेट में आए 121 स्कूली छात्र, 78 का इलाज जारी

वायनाड/कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल के कृषि मंत्री टी. सिद्दीकी ने शनिवार को कहा कि वायनाड में एक सहायता प्राप्त स्कूल के 121 छात्र खाद्य विषाक्तता से पीड़ित पाए गए, जिनमें से 78 का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। मंत्री ने कोझिकोड में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वायनाड जिले के कोइलाडी स्थित मार बेसिलियोस सहायतित उच्च प्राथमिक स्कूल के छात्र दूषित भोजन खाने से खाद्य विषाक्तता के कारण बुखार, ठंड लगना और दस्त की चपेट में आ गए। वायनाड के रहने वाले सिद्दीकी ने कहा कि स्कूल में परोसे जाने वाले भोजन और उसके कुओं के पानी के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और परिणाम आने के बाद खाद्य विषाक्तता के स्रोत का पता लगाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि परिणाम दो दिन में आ जाएंगे।

धर्मशाला क्षेत्र में भूकंप के कई झटके, कोई क्षति नहीं

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। धर्मशाला क्षेत्र में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए, जिनमें रिक्टर पैमाने पर 5.0 तीव्रता का एक बड़ा झटका भी शामिल है। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि इन झटकों से लोगों में दहशत उत्पन्न हो गई, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने या बड़े पैमाने पर संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियां पांच जून को दर्ज की गईं, जिनमें सबसे शक्तिशाली झटका रात 10 बजकर चार मिनट पर आया। उन्होंने बताया कि इसका केंद्र धर्मशाला से लगभग 40 किलोमीटर दूर, धौलाधार पर्वतमाला में कांगड़ा-चंबा सीमा पर स्थित धार घडोई और आरएफ कुगती के बीच था।

नेपाल का सबसे महत्वपूर्ण साझेदार है भारत : विदेश मंत्री खनाल

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अपने नेपाली समकक्ष शिशिर खनाल के साथ एक बैठक के दौरान कहा कि भारत और नेपाल एक ''विशेष'' रिश्ता साझा करते हैं और इसकी पूरी क्षमता को साकार करने के लिए संबंधों को निर्णायक रूप से आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। खनाल ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को भारत की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की टिप्पणियों से उपजे विवाद के बीच संबंधों को बेहतर बनाना है।

सूर्यास्त 07-06-2026 6:44 बजे	सूर्योदय 08-06-2026 5:52 बजे
BSE 74,243.34 (-116.66)	NSE 23,366.70 (-49.85)
सोना 16,074 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 268,955 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दुष् कर

अन्यायपूर्ण लगता है यदि,
सरकार वसूले ज्यादा कर।
करदाता रहते दुविधा में,
सुविधा में है कर के तस्कर।
टक्कर लेता है सिस्टम से ,
कर चोरों का तगड़ा लश्कर।
कर का चक्कर में गोलमाल,
सबको लगता हरदम दुष्कर।।

मैं हिंदू धर्म से जुड़ी अपनी पहचान नहीं छोड़ सकता : मुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- राजनीति मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं है। मेरे लिए महत्वपूर्ण है व्यक्ति और ईश्वर के बीच का संबंध। मंदिर और आस्था इसी संबंध से जुड़े हैं।
- कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, यूं ही अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।

तुमकुरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वह ना तो अपने हिंदू धर्म को त्याग सकते हैं और ना ही अपनी पहचान को दरकिनार कर सकते हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और शपथ ग्रहण समारोह के दौरान हिंदू रीति-रिवाजों का पालन करना राजनीति से प्रेरित नहीं बल्कि उनकी व्यक्तिगत आस्था का प्रतीक था।

तीन जून को अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान हिंदू परंपराओं और रीति-रिवाजों का पालन करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा था, ''राजनीति मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं है। मेरे लिए महत्वपूर्ण है व्यक्ति और ईश्वर के बीच का संबंध। मंदिर और आस्था इसी संबंध से जुड़े हैं। मैं सभी धर्मों की संस्थाओं का आदर करता हूं, चाहे वे ईसाई हों, सिख हों, बौद्ध हों या हिंदू।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर धर्म के लोग धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करते हैं और महत्वपूर्ण अवसरों पर आशीर्वाद मांगते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की जिम्मेदारी संभालने से पहले उन्होंने भी इसी तरह सभी धार्मिक नेताओं से आशीर्वाद लिया था। उन्होंने कहा, ''क्या मैं इस राज्य में किसी भी धर्म को छोड़ सकता हूं? क्या मैं अपना नाम बदलकर अपना धर्म त्याग सकता हूं? कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, यूं ही अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।''

क्षेत्र के विकास का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने कहा कि इलाके में और सुधार की आवश्यकता को लेकर स्थानीय निकायों और काडू सिद्धेश्वर मठ के साथ चर्चा की गई है।

दौरा

उत्तराखंड के ऋषिकेश में शनिवार को परमार्थ निकेतन आश्रम के दौरे के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन एक बछड़े के साथ स्नेहपूर्ण क्षण साझा करती हुईं।

प्रज्ञानानंदा ने रचा इतिहास

नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओस्लो/भाषा। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा इतिहास रचते हुए अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर प्रतिष्ठित नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए।

प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन की शुरुआत 15 अंक के साथ तीसरे स्थान से की। उन्होंने सबसे अहम मौके पर बेहतरीन खेल दिखाया और क्लासिकल बाजी में जीत हासिल करके पूरे तीन अंक बटोरे। इस तरह वे 18 अंक पर पहुंचे और एलीट शतरंज की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफियों में से एक अपने नाम की।

चेन्नई के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने वह उपलब्धि हासिल की जो 2013 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश जैसे खिलाड़ी भी हासिल नहीं कर पाए थे।

नार्वे शतरंज में दूसरी बार हिस्सा ले रहे प्रज्ञानानंदा की शुरुआत धीमी रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में उन्होंने रफ्तार पकड़ी और लगातार चार जीत हासिल की।

प्रज्ञानानंदा के अभियान की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने नार्वे शतरंज के सात बार के चैंपियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल बाजी में दो बार हराया।

यूक्रेन ने रूस के दूसरे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग को फिर बनाया निशाना

सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)/एपी। रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीटर्सबर्ग में शनिवार सुबह यूक्रेन के ''बड़े पैमाने पर'' ड्रोन हमले के बाद निवासियों को अपने घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गयी। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला रूस के भीतर गहराई तक वार करने की कीव की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव ने शहर के लोगों को घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी और चेतावनी दी कि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर द्रोजदेंको ने कहा कि आसपास के लेनिनग्राद क्षेत्र के ऊपर 141 ड्रोन मार गिराए गए। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने कुल 376 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए। हालांकि तत्काल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली, लेकिन सेंट पीटर्सबर्ग पर यह नया हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए झटका माना जा रहा है। पुतिन लगातार यह दिखाने की कोशिश करते रहे हैं कि यह युद्ध एक दूरस्थ घटना है, जिसका रूस के आम जनजीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। शनिवार का हमला उस यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद हुआ है, जिसमें बुधवार को शहर के एक तेल टर्मिनल में आग लग गई थी।

मोदी के नेतृत्व के दौरान भारत को प्रतिबंधों की धमकी उल्टी पड़ेगी : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेंट पीटर्सबर्ग/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के दौरान प्रतिबंधों की धमकियों से भारत की संप्रभुता को कमजोर करने की कोई भी कोशिश तुरंत उल्टी पड़ेगी।

पुतिन ने यह बात शुक्रवार को वार्षिक सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक फोरम में कही। यह टिप्पणी उन्होंने बृहस्पतिवार रात पीटीआई समेत दुनिया की बड़ी समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बातचीत के दौरान उनकी टिप्पणियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कही।

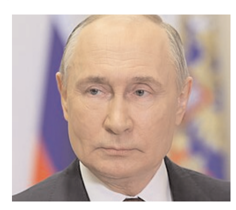

पुतिन ने कहा, भारत हमेशा एक संप्रभु देश की तरह काम करता है, और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, प्रतिबंधों की कोई भी संभावित धमकी तुरंत उल्टी पड़ेगी।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वह लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी के साथ करीबी बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने उस समय को भी याद किया जब मोदी के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि प्रधानमंत्री मोदी इसे कभी नहीं भूलेंगे। अब जब वह प्रधानमंत्री हैं, तो सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, और जहां तक मैं समझता हूं, अमेरिका और भारत के बीच रिश्ते कामयाबी के साथ बढ़ रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि अगर भारत सुखोई-57 विमान या एस-500 वायु रक्षा मंच जैसी रूसी रक्षा प्रणालियां खरीदता है, तो क्या उसे अमेरिकी प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है, पुतिन ने कहा, भारत एक संप्रभु देश है, और वह उन उत्पादों को चुनने के लिए स्वतंत्र है जिन्हें वह अपने लिए सबसे आधुनिक और सबसे उपयुक्त मानता है, तथा जो स्पष्ट रूप से सर्वोत्तम मूल्य प्रदान करते हैं। चाहे लोग कुछ भी कहें, भारत हमेशा इसी तरह से कार्य करता आया है। उन्होंने कहा, भारत हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर काम करता है।'

पुतिन ने कहा कि भारत के साथ रूस का सहयोग, दूसरे सभी साझेदारों की तरह, राजनीतिक माहौल पर निर्भर नहीं करता। उन्होंने कहा, हम पर हुक्म नहीं चलाया जा सकता... कोई हमें नहीं चला सकता, और कोई ऐसा करने की कोशिश भी नहीं करेगा। हम हमेशा वही करेंगे जो हमें सही लगेगा, और साझेदारों, खासकर भारत जैसे साझेदार देशों को दी गई प्रतिबद्धता पर हमेशा कायम रहेंगे।

युद्धविराम के बीच खाड़ी में अमेरिका और ईरान ने एक दूसरे पर हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काहिरा/एपी। बहरीन सरकार ने शनिवार तड़के कहा कि ईरान ने बहरीन और कुवैत की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे, जिन्हें बीच रास्ते में ही रोककर नष्ट कर दिया गया। बहरीन ने ईरान से खाड़ी के पड़ोसी देशों पर हमले तुरंत बंद करने का आग्रह करते हुए हमलों को गंभीर उकसावा बताया।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शनिवार तड़के अमेरिका ने केश्म द्वीप और सिरिक के पास स्थित निगरानी केंद्रों पर हमले किये, जिनका उपयोग सीमाओं की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

ईरान ने इस हमले को युद्धविराम का उल्लंघन बताया।

ताजा गोलीबारी और हमलों का यह दौर ऐसे समय में शुरू हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ईरान पर युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता करने का दबाव बना रहा है। इस युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है और दुनिया के कुछ सबसे पिछड़े देशों में खाद्य संकट का खतरा बढ़ गया है।

ईरान ने कहा कि उसने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

अमेरिकी सेना ने पहले कहा था कि उसने हॉर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी के अरब सहयोगी देशों की ओर दागी गई कई ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराया तथा जवाबी कार्रवाई में ईरान के कुछ तटीय निगरानी रडार केंद्रों पर हमला किया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया पर कहा, हमलावर ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री यातायात के लिए तात्कालिक खतरा थे।

सेंटकॉम ने पुष्टि की कि हमलों को रोकने के लिए जलडमरूमध्य में स्थित एक द्वीप समेत कई रडार स्थलों को निशाना बनाया गया।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजी) ने कहा कि उसने कुवैत में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी वाले अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के 5वें बेड़े को निशाना बनाया।

सहज स्मृति योग

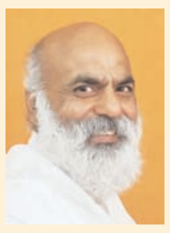

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मनुष्य स्वभाव मूलतः दयालु है या कठोर?

उत्तर: मनोविज्ञान, समाज-शास्त्र, राजनीति विज्ञान आदि विषय विशेषज्ञों ने अपने अपने क्षेत्र में हुए शोध के निष्कर्षों को आधार मानकर देखा और वे कोई भी एक तरफ़ा निष्कर्ष नहीं दे पाए। धर्म शास्त्र ने भी मानव-स्वभाव को गुणों और अवगुणों का मिश्रण माना। पर ये सब विचार और व्याख्यायें हैं यथार्थ नहीं्। यथार्थ जानने के लिए, किसी भी विषय-ज्ञान के चश्मे से देखने के बजाय मनुष्य तथा उसके स्वभाव को वही कहें जो वह यथार्थ में है तो हम स्पष्ट देख पाते हैं कि मनुष्य तथा उसका स्वभाव दोनों ही मूल्य निरपेक्ष संरचनाएं हैं,जिनकी अनेक परतें हैं। जब हम शोधन या साधन से, तपस् या अनुशासन से इन संरचनाओं को परत दर परत यथावत देखने में समर्थ हो जाते हैं तो जब जो चुनाव हमें करना होता है या करना चाहिए तब वह चुनाव हम कर लेते हैं।

अधूरा ज्ञान खतरनाक, एनएफएचएस-6 स्वास्थ्य सेवा में बदलावों को दर्शाता है : नड्डा का खरगे पर पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-6 के निष्कर्षों की आलोचना पर पलटवार करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि अधूरा ज्ञान खतरनाक होता है। उन्होंने कहा कि नवीनतम आंकड़े मोदी सरकार के तहत भारत के स्वास्थ्य सेवा संकेतकों में महत्वपूर्ण सुधार को दर्शाते हैं।

ये टिप्पणियां तब आईं जब खरगे ने दो दिन पहले सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया था कि एनएफएचएस-6 के आंकड़ों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की पूर्ण अक्षमता को उजागर किया है और उस पर स्वास्थ्य सेवा और पोषण में उसकी विफलताओं को उजागर करने वाले महत्वपूर्ण आंकड़ों को जानबूझकर छिपाने का आरोप लगाया था। कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणियों का जवाब देते हुए, नड्डा ने उन पर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सर्वेक्षण के निष्कर्षों को चुनिंदा रूप से पढ़ने का आरोप लगाया और कहा कि आंकड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के स्वास्थ्य तंत्र में हुए उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाते हैं।

नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्री खरगे जी का अधूरा ज्ञान खतरनाक है। जन स्वास्थ्य इतना महत्वपूर्ण है कि इसे राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं किया जा सकता। चयनात्मक पठन राजनीति के काम आ सकता है, लेकिन राष्ट्र की सेवा तथ्य ही करते हैं। एनएफएचएस-3 (2005-06) के बाद से मातृ स्वास्थ्य देखभाल संकेतकों में सुधार का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि पहली तिमाही में प्रसवपूर्व पंजीकरण 43.9 प्रतिशत से बढ़कर 76.2 प्रतिशत हो गया, संस्थागत प्रसव 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 90.6 प्रतिशत हो गए और कुशल स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कराए गए प्रसव 46.6 प्रतिशत से बढ़कर 91.3% हो गए। मंत्री ने कहा कि ये उपलब्धियां देश भर में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, ये महज आंकड़े नहीं हैं। ये लाखों माताओं को समय पर देखभाल, सुरक्षित प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिलने का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत की स्वास्थ्य सेवा यात्रा की असली कहानी प्रगति की है, निराशा की नहीं।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक अस्थिरता के बीच आर्थिक वृद्धि पर ईएसी के साथ की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को तेज करने के उपायों पर 'प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद' (ईएसी-पीएम) के सदस्यों के साथ चर्चा की। इस दौरान ईएसी-पीएम के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का भारत और दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर अपना आकलन भी पेश किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें भारत के आर्थिक परिवर्तन और दीर्घकालिक विकास प्राथमिकताओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, सुधारों की प्रक्रिया को और गति देने तथा 'जीवन की सुगमता' और 'कारोबार की सुगमता' सुनिश्चित करने पर भी विचार साझा किए गए। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री और उनकी आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बीच आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने के लिए कई विचारों एवं नीतिगत उपायों पर चर्चा की।

सूत्रों ने कहा कि उच्च-स्तरीय बैठक में 'जीवन की सुगमता' और 'कारोबारी सुगमता' को बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न सुधारों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

ईएसी एक स्वतंत्र निकाय है जो भारत सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को आर्थिक एवं संबंधित मुद्दों पर सलाह देता है।

फडणवीस ने चुनाव प्रक्रिया में सुधारों की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को चुनाव प्रक्रिया में सुधार की वकालत की।

इससे पहले, राकांपा (शप) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा था कि वह विधान परिषद चुनावों से पहले कई सीट पर विपक्षी उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के मद्देनजर प्रत्याशियों की 'खरीद-फरोख्त' को रोकने के लिए संसद में एक निजी विधेयक पेश करेंगी।

विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) ने सत्तारूढ़ दलों पर आगामी महाराष्ट्र विधानपरिषद चुनाव में प्रलोभन और दबाव की रणनीति बनाने का आरोप लगाया है, जिसे सत्तारूढ़ महायुति के नेताओं ने खारिज कर दिया।

सुले ने यहां एक कार्यक्रम के बाद कहा, ''मैं संसद में चुनावी प्रक्रिया में संरचनात्मक बदलाव लाने वाला (निजी) विधेयक पेश करूंगी। चुनावों के दौरान खरीद-फरोख्त के आरोप बंद होने चाहिए। सरपंच से लेकर लोकसभा तक के चुनाव पारदर्शी होने चाहिए।''

इसके बाद फडणवीस ने संवाददाताओं से बातचीत में प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''अगर आपको लगता है कि लोगों को धन के बजाय प्रेम से जीता जा सकता है, तो इस तरह के विधेयक लाने की कोई जरूरत नहीं होगी।'' उन्होंने यह भी कहा कि उनकी व्यक्तिगत राय है कि चुनाव प्रक्रिया में सुधार होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के सुधारों के लिए किसी के द्वारा भी ऐसे विधेयक पेश किये जाने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

पूर्व विधायक बाल माने की भाजपा में संभावित वापसी की अटकलों पर फडणवीस ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण इस पर फैसला करेंगे।

उपराज्यपाल ने नार्को-आतंकी नेटवर्क को खत्म करने का संकल्प लिया

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को किश्तवाड़ जिले में एक विशाल मादक पदार्थ-रोधी पदयात्रा का नेतृत्व किया। पदयात्रा के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने केंद्र शासित प्रदेश में नशामुक्त समाज के निर्माण और मादक पदार्थों के खतरे से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

उपराज्यपाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 56 दिनों में 19 जिलों में चलाए गए नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान ने अनगिनत लोगों के जीवन को प्रभावित किया है और यह नशाखोरी के खिलाफ एक सशक्त आंदोलन के रूप में उभरा है। सिन्हा ने कहा, आज, जब नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान किश्तवाड़ में एक विशाल पदयात्रा के साथ समाप्त हो रहा है, नागरिकों ने इस उद्देश्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जोरदार तरीके से दोहराया है। हमारा लक्ष्य नशाखोरी के खिलाफ जमीनी स्तर पर प्रतिरोध को बढ़ावा देना और नार्को-आतंकवाद को समाप्त करना है। उन्होंने कहा, ''हर आवाज मायने रखती है, हर कार्रवाई महत्वपूर्ण है तथा साथ मिलकर हम एक सुरक्षित और स्वस्थ केंद्र शासित प्रदेश बना सकते हैं।'' सिन्हा ने जोर देकर कहा कि प्रशासन हर स्तर पर मादक पदार्थों के व्यापार की कड़ी को तोड़ रहा है और मादक पदार्थों से जुड़ी आतंकवाद रोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है।

नौकरी मांगने वाला नहीं, देने वाले बनें युवा : कविन्दर गुप्ता

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्दर गुप्ता ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार हो सकता है, जब गांव, किसान, युवा और महिलाएं देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। शिमला में पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र द्वारा 'भारत 2047 : विकसित भारत का संकल्प' विषय पर आयोजित वार्षिक व्याख्यान सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आधुनिक कृषि, कौशल विकास और उद्यमिता आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने से पहले लक्ष्य केवल आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनना नहीं है, बल्कि ऐसा समावेशी, आत्मनिर्भर व नवाचार-प्रधान देश बनना है जो मानवीय मूल्यों को भी बनाए रखे।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 का विजन 140 करोड़ भारतीयों की भागीदारी वाला एक राष्ट्रीय मिशन है। भारत में डिजिटल परिवर्तन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश का डिजिटल मॉडल दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुका है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में प्रतिभावान लोगों और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल तथा नवाचार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल ने युवाओं को नौकरी तलाशने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया और कहा कि वे अपनी प्रतिभा का उपयोग सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए करें।

पति बेरोजगारी का बहाना बनाकर बच्चे के प्रति अपने कर्तव्य से नहीं बच सकता: अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने घरेलू हिंसा के एक मामले में एक व्यक्ति को अपने बेटे को 6,000 रुपए मासिक भरण-पोषण देने का निर्देश देते हुए कहा है कि कोई पति बेरोजगार होने का दावा करके अपनी पत्नी और छोटे बच्चे के प्रति अपनी कानूनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान एक महिला द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थीं, जिसने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण (पीडब्ल्यूडीवी) अधिनियम के तहत उसे आर्थिक राहत देने से इनकार कर दिया गया था। न्यायाधीश ने महिला की अपील स्वीकार कर ली। अदालत ने दो जून के अपने आदेश में कहा, ''अपने खर्चों का प्रबंधन करना प्रतिवादी/पति का दायित्व है और केवल बेरोजगार होने या अन्य जिम्मेदारियों का बहाना बना कर वह अपनी कानूनी रूप से विवाहित पत्नी और नाबालिग बेटे के भरण-पोषण से मुक्त नहीं हो सकता।'' इसने कहा कि पति भरण-पोषण का भुगतान करने में सक्षम है और उसे बच्चे के बालिग होने तक उसके भरण-पोषण के लिए प्रति माह 6,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। महिला ने आरोप लगाया था कि फरवरी 2013 में उसकी शादी हुई थी और उसके बाद उसके पति और उसके परिवार के सदस्यों ने दहेज के लिए उसका उत्पीड़न किया।

राकांपा (शप) सांसद सुप्रिया सुले चुनाव में खरीद-फरोख्त रोकने के लिए संसद में विधेयक पेश करेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि वह खरीद-फरोख्त के आरोपों के मद्देनजर चुनाव में अधिक पारदर्शिता की मांग करते हुए संसद में एक विधेयक पेश करेंगी।

यह बयान आगामी महाराष्ट्र विधानपरिषद चुनाव में प्रलोभन और दबाव की रणनीति के दावों के बीच आया है। उन्होंने कहा कि या तो इन चुनावों को मौजूदा स्वरूप में बंद कर दिया जाए, या फिर खुली मतदान प्रणाली लागू की जाए। सुले ने यहां एक कार्यक्रम के बाद कहा, ''मैं संसद में चुनावी प्रक्रिया में संरचनात्मक बदलाव लाने वाला विधेयक पेश करूंगी। चुनावों के दौरान खरीद-फरोख्त के आरोप बंद होने चाहिए। सरपंच से लेकर लोकसभा तक के चुनाव पारदर्शी होने चाहिए।''

उन्होंने विधानपरिषद की 16 सीट के लिए स्थानीय स्वशासन निकाय से 18 जून को होने वाले चुनाव से पहले महा विकास आघाडी (एमवीए) के कुछ प्रत्याशियों द्वारा उम्मीदवारी वापस लिये जाने का बचाव किया। सुले ने पत्रकारों से कहा, ''गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के नेताओं के बीच व्यापक परामर्श के बाद (उम्मीदवारी वापसी का) निर्णय सामूहिक रूप से लिया गया, क्योंकि खरीद-फरोख्त को लेकर व्यापक चिंताएं थीं। हर जगह इसे लेकर चर्चा हुई।'' उन्होंने बताया कि इस निर्णय पर पहुंचने से पहले राकांपा (शप), कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) के नेताओं ने चर्चा की।

उम्मीदवारों के नाम वापस लेने को लेकर हो रही आलोचना पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा हर निर्वाचन क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति अलग होती है।

दिल्ली पुलिस ने सात अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोहों का भंडाफोड़ किया, 14 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने मध्य दिल्ली में मई माह में एक अभियान के दौरान सात बड़े अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोहों का भंडाफोड़ कर 14 कथित साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस अभियान में कई राज्यों में सक्रिय साइबर अपराध के विभिन्न मॉड्यूल को निशाना बनाया गया, जिनमें फर्जी सरकारी वेबसाइट, एल्गोरिदम आधारित ट्रेडिंग घोटाले, फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन, घर से काम करने के नाम पर धोखाधड़ी और ऑनलाइन उपचार रैकेट शामिल थे। आरोपियों को राजस्थान, पंजाब, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में दो करोड़ रुपए से अधिक के लेन-देन से जुड़े धोखाधड़ी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ और महंगे वाहन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, क्रिप्टोकरेंसी हार्डवेयर वॉलेट, डेबिट कार्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए।

केंद्र सरकार को प्रदर्शनकारी युवाओं की बात सुननी चाहिए, उन्हें कम नहीं आंकना चाहिए : उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन करने वाले युवाओं की बात सुननी चाहिए और उन्हें कम नहीं आंकना चाहिए।

युवाओं की यह भी मांग है कि परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए।

शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने फेसबुक पर एक पोस्ट में ठाकरे का संदेश साझा किया, जिसमें कहा गया है कि युवा देश का भविष्य हैं और वे भीषण गर्मी में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि उन्हें न्याय से वंचित करना और उन्हें 'कॉकरोच' (तिलचट्टा) कहना अनुचित है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने से लाखों युवाओं का जीवन तबाह हो गया है और वे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ठाकरे ने कहा, ''सरकार को युवाओं की आवाज सुननी होगी और इन्हें कम नहीं आंकना चाहिए। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों द्वारा यही संकेत दिया गया है।'' राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को जंतर-मंतर पर ऑनलाइन संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के समर्थकों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में स्कूली छात्र, कॉलेज के छात्र, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थी और अभिभावक समेत कई लोग शामिल हुए।

यह प्रदर्शन सीजेपी द्वारा आयोजित किया गया, जो युवाओं के नेतृत्व वाली एक ऑनलाइन मुहिम है। इस प्रदर्शन के माध्यम से सीजेपी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) समेत विभिन्न परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के लिए जवाबदेही की मांग कर रही है।

हिमाचल : मनाली में विदेशी महिला पर्यटक से छेड़खानी का वीडियो वायरल, पुलिस जांच शुरू

मनाली/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मनाली में विदेशी महिला पर्यटक से कथित छेड़छाड़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना राज्य के कुल्लू जिले के मनाली क्षेत्र की बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना तीन जून की है और घटना का वीडियो सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गया है। वीडियो में एक युवक सड़क पर अकेले जा रही एक विदेशी महिला के प्रति कथित रूप से आपत्तिजनक हरकतें करता दिखाई दे रहा है। वीडियो में दिख रही जगह की अभी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इस घटना के संबंध में अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद उप जिलाधिकारी (एसडीएम) गुंजीत सिंह चीमा ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की छवि खराब करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

तेलंगाना: रिश्वत लेते हुए पकड़ा वक्फ बोर्ड का निरीक्षक

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो ने एक सरकारी काम के बदले 10,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में शनिवार को नलगोंडा जिले में वक्फ बोर्ड के एक निरीक्षक को गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि आरोपी अधिकारी के पास से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, अधिकारी ने फरवरी 2025 में शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए आवेदन के संबंध में हैदराबाद स्थित वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के लिए कथित रूप से रिश्वत मांगी थी।

उन्हें बता दीजिए, हम डरते नहीं हैं : अभिजीत दीपके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सैकड़ों प्रदर्शनकारी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एकत्र हुए और इस दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों से यह संदेश देने को कहा कि ''हम डरते नहीं'' है। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले दीपके शनिवार सुबह अमेरिका से दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पुलिस से अनुमति मिलने के बाद वह जंतर-मंतर पहुंचे, जहां सुबह से ही लोग एकत्र होने लगे थे।

प्रधान के इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर लिए प्रदर्शनकारी 'कॉकरोच' (तिलचट्टे) के मुखौटे पहने नजर आए। ये मुखौटे प्रदर्शन स्थल पर बांटे जा रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इसके अलावा उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से ''हिंदू-मुस्लिम'' की राजनीति बंद करने की मांग करते हुए भी नारेबाजी की और ''भारत माता की जय'' के नारे भी लगाए। दीपके ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वे केवल देश, महात्मा गांधी एवं बी. आर. अंबेडकर के समर्थन में नारे लगाएं और सांप्रदायिक राजनीति का विरोध करें। सीजेपी संस्थापक ने कहा कि उनके अमेरिका जाते समय उनकी मां उतना नहीं रोई थीं, जितना वह उनके लौटने पर रोईं, क्योंकि उन्हें डर था कि भारत लौटने पर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ मेरी मां का डर नहीं है, यह हर उस युवा के माता-पिता का डर है, जो राजनीति पर बोलता है... हम कब तक डर में जीते रहेंगे? उन्हें बता दीजिए, हम डरते नहीं हैं।'' भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुए प्रदर्शन में दीपके के साथ बाद में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की एनी राजा और वामपंथी छात्र एवं युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल हुए। दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा, ''मेरे दोस्तों, यह संघर्ष लंबा है। सोशल मीडिया पर प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए हमें एक महीना हो गया है, लेकिन ये लोग इतने बेशर्म हैं कि कार्रवाई करने के बजाय वे ध्यान भटकाने वाले अन्य कामों में लगे हैं, जैसे हमारे अकाउंट हैक करना और हमारी पोस्ट हटवाना। आप हमारी पोस्ट हटा सकते हैं, लेकिन हमें इस जगह से मिटा नहीं सकते।'' भीड़ ने उनके संबोधन का उत्साह के साथ समर्थन किया।

अभिजीत दीपके ने सुबह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने आगमन का जिक्र करते हुए कहा कि विमान के उतरने से ठीक पहले उन्हें लगा था कि जैसे वह अपनी आजादी के आखिरी क्षण जी रहे हों।

ऑपरेशन ब्लूस्टार दस्तावेज़ों को सार्वजनिक करें : साहनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत सिंह साहनी ने ऑपरेशन ब्लूस्टार से संबंधित सभी सरकारी दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह सामुदायिक मेल-मिलाप और ''एक नए भारत के रूप में स्वस्थ और एकजुट होकर'' आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है।

जून 1984 में स्वर्ण मंदिर से उग्रवादियों को खदेड़ने के लिए चलाए गए सैन्य अभियान ''ऑपरेशन ब्लूस्टार'' की 42वीं वर्षगांठ पर, साहनी ने कहा कि महत्वपूर्ण भारतीय सरकारी फाइलें अब भी गोपनीय हैं, और ऐसा किया जाना नागरिकों को पूरी सच्चाई से वंचित रखना है। उन्होंने शनिवार को एक बयान में कहा, ''जून 1984 से लगभग चार दशक बीत चुके हैं। ब्रिटेन के खुफिया दस्तावेजों के हाल में सार्वजनिक होने से यह खुलासा हुआ है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने ब्रिटेन की स्पेशल एयर सर्विस (एसएएस) से सैन्य परामर्श सहायता मांगी थी, फिर भी भारत सरकार की महत्वपूर्ण फाइलें गोपनीय बनी हुई हैं, जिससे नागरिकों को पूरी सच्चाई जानने से वंचित रखा गया है।'' सांसद ने कहा कि इस ऑपरेशन ने पंजाब में दशकों से चली आ रही हिंसा को और भड़का दिया है।

साहनी ने इस बात पर जोर दिया कि उन राजनीतिक नफा-नुकसान, सैन्य निर्णयों और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के बारे में वास्तविक सच्चाई जानना महत्वपूर्ण है, जिनके कारण सिख धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थल पर यह विनाशकारी हमला हुआ।

साहनी ने हाल ही में छह अन्य सांसदों के साथ आम आदमी पार्टी छोड़ दी थी और भाजपा में शामिल हो गए थे।

कर्नाटक में राज्यसभा की तीन और विधान परिषद की पांच सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि राज्यसभा की तीन और विधान परिषद की पांच सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर दिए गए हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, हमने (कांग्रेस) सभी पांच उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल कर दिए हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए तीन उम्मीदवार और विधान परिषद चुनाव के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में उतारे गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को यहां विधान सौधा में कर्नाटक से राज्यसभा के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया।

शिवकुमार ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को कर्नाटक से उम्मीदवार बनाया गया है। उनके साथ-साथ कांग्रेस सचिव और युवा नेता मंसूर अली खान को भी उम्मीदवार बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, विधान परिषद की सभी पांच सीट के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अवसर दिया गया है। बी के हरिप्रसाद, टी कामकनूर, पी वी मोहन, शिवन्ना मल्लवल्ली और विनय कार्तिक को विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस बयान पर कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री परिवर्तन सिद्दरामय्या सरकार के प्रति जनता के गुस्से के कारण हुआ, शिवकुमार ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे शुभकामनाएं दी हैं। मैं उनका आभारी हूं। मैं जाऊंगा और उनसे सम्मानपूर्वक मिलूंगा। उन्हें राजनीति करने की जरूरत नहीं है, और हमें भी राजनीति करने की जरूरत नहीं है। आइए हम सब मिलकर वह कार्य करें जो राज्य की जनता के कल्याण के लिए करने जरूरी हैं।

रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा स्वीकार नहीं करूंगा : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगी रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस मुद्दे को आंतरिक रूप से बातचीत के माध्यम से हल किया जाएगा। रेड्डी के इस्तीफे की घोषणा से उत्पन्न संकट को कम करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बीच शिवकुमार की ये टिप्पणियां आई हैं। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, हम किसी भी परिस्थिति में उनका (रेड्डी) इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें रेड्डी के इस्तीफे की घोषणा के बारे में पता चला है, लेकिन कोई भी निर्णय लेने से पहले चर्चा जारी रहेगी। उन्होंने कहा, रामलिंगा रेड्डी ने शायद मुझे व्हाट्सएप पर अपना इस्तीफा भेजा होगा। मैं पूरी रात व्यस्त था। किसी भी हालत में हम उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। मैं उनसे बात करूंगा।

मैं सबसे बात करूंगा। शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि इस मामले को और बढ़ने देने के बजाय पार्टी और सरकार के भीतर ही सुलझा लिया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रेड्डी ने शुक्रवार को इस्तीफे की घोषणा की थी, क्योंकि उन्हें बेंगलूरु विकास विभाग के बजाय वृहद और मध्यम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी दी गई थी।

रामलिंगा रेड्डी ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक में पार्टी प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को दावा किया कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा के बाद मंत्री पद से अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस घटना को गलतफहमी का नतीजा बताया और कहा कि वरिष्ठ नेता कांग्रेस सरकार में मंत्री के रूप में अपना कार्य जारी रखेंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इस विवाद का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही थी।

रेड्डी के इस्तीफे की घोषणा को लेकर सुरजेवाला ने पत्रकारों से कहा, कुछ गलतफहमी हुई थी और वह (रेड्डी) पार्टी के एक वफादार सिपाही और मंत्री के रूप में काम करना जारी रखेंगे। रेड्डी ने शुक्रवार को इस्तीफे की घोषणा की थी, क्योंकि उन्हें बेंगलूरु विकास विभाग के बजाय वृहद और मध्यम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी दी गई थी। कांग्रेस नेता ने रेड्डी को पार्टी के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक बताया और कहा कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पार्टी के पूरे शीर्ष नेतृत्व ने हस्तक्षेप किया था।

सुरजेवाला ने रामलिंगा रेड्डी को कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण नेता बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी के हरिप्रसाद और उन्होंने खुद रेड्डी के इस्तीफे की खबरें सामने आने के बाद उनसे बात की थी। सुरजेवाला ने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने (रेड्डी) आपको पहले ही सूचित कर दिया है कि उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है।

PRE LAUNCH OFFER (Under Construction), Limited Units 2BHK Apartments for SALE At just ₹59 Lakhs Now. Possession by March 2027.
Opp. To D'mart Sultanpalya, R.T. Nagar Post, Bangalore.
+91 95357 74179

कर्नाटक के मुख्यमंत्री, पार्टी नेतृत्व विभाग आवंटन पर असंतोष के मुद्दे को हल करेंगे : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को नवगठित कांग्रेस सरकार में विभागों के आवंटन को लेकर असंतोष कम करने की कोशिश की और विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और पार्टी नेतृत्व वरिष्ठ नेताओं रामलिंगा रेड्डी और के एच मुनियप्पा द्वारा उठाए गए मुद्दों को हल कर लेंगे। परमेश्वर की ये टिप्पणियां रेड्डी द्वारा मंत्रिमंडल से विभागों के आवंटन को लेकर इस्तीफे की घोषणा और मुनियप्पा द्वारा विभागों के आवंटन पर सार्वजनिक रूप से असंतोष व्यक्त करने के बाद उत्पन्न असंतोष को शांत करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बीच आईं। परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री और कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष इस मामले को देख लेंगे। किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं है। वे इसे संभाल लेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिवकुमार ने रेड्डी से पहले ही बातचीत शुरू कर दी है और आगे की चर्चा के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री उनसे पहले ही मिल चुके हैं और नव नियुक्त पार्टी अध्यक्ष भी इस मामले को संभाल लेंगे। उन्होंने कहा, राजनीति में ऐसी बातें स्वाभाविक रूप से होती हैं। हमारा काम बस इन्हें सुलझाना और आगे बढ़ना है। मुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि हमें सुशासन प्रदान करना होगा। हम उसी के अनुसार आगे बढ़ेंगे। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए आगे के प्रयासों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, वह उनसे एक बार फिर मिलेंगे।

वरिष्ठ मंत्री केएच मुनियप्पा के असंतोष की खबरों पर परमेश्वर ने किसी भी गंभीर समस्या की आशंका को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मुनियप्पा के साथ कोई समस्या नहीं है। कल जब हम सब साथ थे, तो राहुल गांधी ने मुनियप्पा से पूछा कि क्या कोई समस्या है। उन्होंने जवाब दिया कि कोई समस्या नहीं है। उपमुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री के रूप में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने विभाग के कामकाज की समीक्षा शुरू कर दी है और जल्द अगले दो वर्षों के लिए एक रूपरेखा तैयार करेंगे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: ECN-TRD-04-2026-RT
दिनांक: 03.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
श्रवणूर पर 2 x 25 केवी ओएचई के लिए उपयुक्त स्ट्रक्चरों / फाउंडेशन के साथ साथ प्रस्तावित नई क्रॉसिंग स्टेशन का निर्माण के लिए विद्युतीकरण।	रु 2,56,82,475.13

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.06.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/टीआरडी/II निर्माण/बेंगलूरु
PUB/192/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: 06-S&T/MYS/2026
दिनांक: 03.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु (एमवायएस) मंडल पर 60 स्टेशनों में आरडीएसओ टीएएन विनिर्देश के अनुसार अतिरिक्त एमएफ अर्थ का प्रावधान, एसपीडीजी यों का प्रावधान और एसपीडी यों को 0.5 मीटर से एमईईबी तक स्थानांतरण करके अर्थिंग का विश्वसनीयता को बढ़ाना।	रु. 1,96,54,360.00/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.06.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/मैसूरु
PUB/194/AAMO/PRB/SWR/2025-26
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व के बीच बैठक के नतीजे का इंतजार रहेगा : रामलिंगा रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शनिवार को संकेत दिया कि वह अपने इस्तीफे को लेकर कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच होने वाली चर्चा के नतीजे का इंतजार करने को तैयार हैं। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने कभी किसी विशेष विभाग की मांग नहीं की, बल्कि उन्हें केवल इस बात से निराशा हुई कि जो आश्वासन उन्हें दिया गया था, वह पूरा नहीं किया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रेड्डी ने शुक्रवार को इस्तीफे की घोषणा की थी, क्योंकि उन्हें बेंगलूरु विकास विभाग के बजाय बड़े और मध्यम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवकुमार और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव रणदीप सुरजेवाला समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे का समाधान निकालने के प्रयास में लगे हुए हैं।

रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा, सुरजेवाला ने मुझसे अपना इस्तीफा वापस लेने की अपील की है। साथ ही उन्होंने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह भी कहा है कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को एक होटल में उनकी शिवकुमार के साथ विस्तृत चर्चा हुई थी और इस संबंध में आगे भी बातचीत जारी है।

रेड्डी ने कहा, कल शिवकुमार ने कहा था कि वह मेरे घर आएंगे, लेकिन मैं घर पर नहीं था। बाद में हम एक होटल में मिले। हमने सभी मुद्दों पर चर्चा की। आज भी मैंने सुरजेवाला से उन सभी विषयों पर बात की, जिन पर कल चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, अब मुख्यमंत्री और सुरजेवाला बैठक करेंगे। वे कल हमारी बातचीत के सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उसके बाद वे क्या फैसला लेते हैं, देखते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कोई वैकल्पिक प्रस्ताव दिया गया है, उन्होंने कहा कि वह पहले ही पार्टी नेतृत्व के सामने अपना पक्ष रख चुके हैं।

उन्होंने कहा, जब कल हमारी बातचीत हुई, तब मैंने अपनी राय स्पष्ट कर दी थी। मैं कभी कुछ मांगने नहीं गया। प्रस्ताव उन्होंने स्वयं दिया था। बाद में कुछ अपरिहार्य कारणों से स्थिति बदल गई। वरिष्ठ नेता ने दोहराया कि उन्होंने कभी मंत्री पद या किसी विशेष विभाग के लिए पैरवी नहीं की। उन्होंने कहा, मैंने कभी इसकी मांग नहीं की। प्रस्ताव उन्होंने खुद दिया था। सिर्फ अभी नहीं, बल्कि 1993 में जब मैं पहली बार मंत्री बना था, तब भी मैंने कोई पैरवी नहीं की थी। मैंने कभी किसी मुख्यमंत्री से किसी विशेष विभाग की मांग नहीं की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें शिवकुमार और सुरजेवाला के बीच होने वाली चर्चा से सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है, तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता। मैं फोन करके पता करूंगा।उन्होंने यह भी पुष्टि की कि दोनों नेताओं ने उनसे इस्तीफे पर अड़े न रहने का आग्रह किया है।

रेड्डी ने कहा, दोनों ने मुझसे साफ कहा है कि वे मेरा इस्तीफा स्वीकार नहीं कर सकते। मैंने अपनी राय उन्हें बता दी है और वापस आ गया हूं। हालांकि, उन्होंने उन खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार किया जिनमें कहा जा रहा है कि सिंचाई विभाग के साथ उन्हें कोई अतिरिक्त विभाग भी दिया जा सकता है। उन्होंने बार-बार पूछे जाने पर कहा, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता। इस सवाल पर कि क्या वह अब भी अपने इस्तीफे के फैसले पर कायम हैं, उन्होंने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि वरिष्ठ नेताओं के बीच चर्चा जारी है। उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या और मुख्यमंत्री की मुलाकात हो चुकी है। कल मुख्यमंत्री के साथ जिन मुद्दों पर चर्चा हुई थी, उन्हें उनके सामने रखा जाएगा। इसके बाद वे निर्णय लेंगे। पार्टी नेतृत्व की समस्या सुलझाने की क्षमता पर भरोसा जताते हुए रेड्डी ने इस प्रश्न का सकारात्मक जवाब दिया कि क्या वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्दरामय्या इस विवाद का समाधान निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा, हां। उनकी अगली बैठक के बाद मैं आपको बताऊंगा। पहले सुरजेवाला और मुख्यमंत्री अपनी चर्चा पूरी कर लें। यह इस्तीफा विवाद तीन दिन पुरानी शिवकुमार सरकार के सामने पहली बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। कांग्रेस नेतृत्व बेंगलूरु के वरिष्ठ नेता रेड्डी को मंत्रिमंडल में बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

कर्नाटक राज्य पुलिस विभाग का नया रिक्रूटमेंट नोटिफिकेशन

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य पुलिस विभाग ने एक नया रिक्रूटमेंट नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें सिविल पुलिस कांस्टेबल के पदों के लिए एप्लीकेशन की इजाज़त है। सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, कैंडिडेट्स को ऑनलाइन अप्लाई करना होगा और एप्लीकेशन की आखिरी तारीख 8 जून है। परीक्षा 2 अगस्त को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक होगा। इस एग्जाम में जनरल नॉलेज, भारत का संविधान, फ्रीडम मूवमेंट, कर्नाटक का इतिहास, जियोग्राफी, इकोनॉमिक्स, कल्चर और लिटरेचर से जुड़े सवाल होंगे। कुल 100 सवाल, 100 मार्क्स और 90 मिनट की टाइम लिमिट तय की गई है। गलत जवाब के लिए 0.25 मार्क्स का नेगेटिव इवैल्यूएशन लागू होगा। उम्मीदवारों को फिजिकल फिटनेस और एंड्योरेंस टेस्ट में हिस्सा लेना होगा, और पुरुष कैंडिडेट्स के लिए कम से कम हाइट 168 सेमी और महिला कैंडिडेट्स के लिए 157 सेमी होनी चाहिए।

पुरुषों को 1600 मीटर की रेस 6 मिनट 30 सेकंड में पूरी करनी होगी। कम से कम हाइट जंप 1.20 मीटर और हॉरिजॉन्टल जंप 3.80 मीटर होना चाहिए। महिला कैंडिडेट्स के लिए हाइट जंप 0.90 मीटर और हॉरिजॉन्टल जंप 2.50 मीटर होना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए, 080-23460460 पर सम्पर्क कर सकते हैं। इस विज्ञप्ति के एम.एस. उमेशन, आईएए, डिप्टी कमिश्नर, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिवीज़न द्वारा जारी की गई है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. 18/MYS/2026, दिनांक: 03.06.2026 (14 दिनों का सूचना)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	उप कार्य-1: हासन - मंगलूरु जं. (एचएएस-एमएजेएन) में किमी. 163/300-700 पर ब्रिज नं. 597 (4 x 45.72 + 8 x 24.40 मी. गिर्डर - नेत्रावती ब्रिज) और हासन - मंगलूरु जं. (एचएएस-एमएजेएन) खंड में किमी. 9/800-10/000 पर ब्रिज नं. 28 (3 x 18.30 मी. गिर्डर - यगाची) के लिए हाईड्रो मेटरोलॉजिकल डैटा का संग्रहण। उप कार्य-2: बेंगलूरु - मैसूरु (एसबीसी-एमवायएस) खंड में किमी. 115/100-200 पर ब्रिज नं. 706ए (1 x 45.72 मी. जीबी - लोकपावनी) के लिए हाईड्रो मेटरोलॉजिकल डैटा का संग्रहण। उप कार्य-3: हरिहर - हुबली (एचआरआर-यूबीएल) खंड में किमी. 339/9-17 पर ब्रिज नं. 90 (16 x 19.30 + 2 x 6.10 मी. डेक गिर्डर - तुंगभद्रा) के लिए हाईड्रो मेटरोलॉजिकल डैटा का संग्रहण।	रु. 49,29,598/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.06.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
PUB/190/AAMO/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / मैसूरु
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
आवेदन अधिसूचना सं.: 565/STBA/06/2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु विभाग पर निम्नलिखित स्टेशनों पर तीन (03) साल की अवधि के लिए अनरिज़र्व्ड टिकेट सिस्टम (यूटीएस) के आधार पर अनारक्षित / सामान्य टिकट जारी करने का नियुक्ति के लिए कमीशन के आधार पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों (एसटीबीए) की नियुक्ति के लिए मुहरबंद आवेदन आमंत्रित करता है।

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	स्टेशन वर्ग
1.	थोंडेभावी	टीडीवी	एनएसजी-6
2.	बिसनत्तम	बीएसएम	
3.	आनेकल रोड	एईके	
4.	देवनगोंथी	डीकेएन	
5.	रायकोट्टै	आरवायसी	
6.	मारंडहल्ली	एमझड्यू	
7.	नेलमंगला	एनएमजीए	

आवेदन जमा करने की तिथि और समय: 09.07.2026, 10:00 बजे से 15:00 बजे तक
आवेदन खोलने की तिथि और समय: 09.07.2026, 15:06 बजे
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in में
PUB/186/AAMO/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/बेंगलूरु
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

बेटी की हत्या के आरोप में महिला और उसके 'लिव-इन-पार्टनर' के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में पांच वर्षीय बेटी की हत्या के आरोप में 39 वर्षीय महिला और उसके 'लिव-इन पार्टनर' (सहजीवन साथी) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 25 मार्च को वेनेला नामक बच्ची का शव मिला था। चार जून को बच्ची के पिता ने काडुगोडी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर उसकी अलग रह रही पत्नी प्रियंका और उसके लिव-इन-पार्टनर मोहन जी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (हत्या), 238 (सबूत मिटाना या अपराधी को बचाने के लिए झूठी जानकारी देना) और 3(5) (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, शिकायत के आधार पर मोहन को हिरासत में लिया गया। उससे पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है। प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने 2007 में प्रियंका से शादी की थी और उनकी दो बेटियां है। पिता का आरोप है कि समय के साथ वैवाहिक संबंधों में तनाव बढ़ गया और 2025 में पुराने परिचित मोहन से दोबारा संपर्क होने के बाद प्रियंका की उससे घनिष्ठता हो गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बाद में प्रियंका ने उस पर तलाक के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने का दबाव डाला और मोहन के साथ रहने लगी।

प्राथमिकी के अनुसार बड़ी बेटी पिता के साथ रहने लगी, जबकि छोटी बेटी वेनेला अपनी मां के साथ रहती थी। पिता ने अपनी शिकायत में कहा कि बेटी की मौत के बारे में प्रियंका ने अलग-अलग और विरोधाभासी बयान दिए, जिससे उन्हें संदेह हुआ।

प्राथमिकी के अनुसार, पहले प्रियंका ने कहा था कि 24 मार्च की रात बच्ची ने बिरयानी खाई थी और अगली सुबह वह मृत मिली। बाद में उसने दावा किया कि बच्ची को कोलार में उसके (प्रियंका) जन्मदिन के अवसर पर एक कैफे में जश्न मनाने के दौरान एयर-कंडीशंड कार में सोता हुआ छोड़ दिया गया था। इसके बाद वे घर लौट गए और अगली सुबह बच्ची मृत मिली।

पुलिस के मुताबिक, पिता ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद उनका संदेह और गहरा हो गया। उन्होंने रिपोर्ट इंग्लैंड में कार्यरत अपनी बहन व एक बाल रोग विशेषज्ञ को दिखाई, जिसके बाद मौत के कारणों को लेकर और सवाल खड़े हुए।

वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके में दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्यालय के महाप्रबंधक पी. अनंत के वृक्षारोपण किया। इस मौके लगभग 750 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त महाप्रबंधक रामा मोहन रेड्डी, मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर (पर्यावरण) कृष्णराज के.के. और अन्य विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। हुब्बल्ली, बेंगलूरु और मैसूरु डिवीजनों में भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

मुख्यमंत्री विजय ने नॉर्वे का खिताब जीतने पर प्रज्ञानानंदा को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने नॉर्वे शतरंज का खिताब जीतने पर ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को शनिवार को बधाई दी। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा इतिहास रचते हुए अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने एक बयान में कहा, ओस्लो में आयोजित नॉर्वे शतरंज 2026 टूर्नामेंट जीतकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने पर ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा को मेरी हार्दिक बधाई। वह इस प्रतियोगिता को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

विजय ने प्रज्ञानानंदा के मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन को एक ही टूर्नामेंट में दो बार हराकर और लगातार चार जीत हासिल करके एक शानदार रिकॉर्ड बनाने पर कहा, मैं ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने तमिलनाडु और भारत दोनों को गौरवान्वित किया है। वह आगे भी कई उपलब्धियां हासिल करते रहें।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. 17/MYS/2026, दिनांक: 03.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	मैसूरु मंडल: बल्लकेरे डिपो खंड की बढ़ी हुई गति को ध्यान में रखने के संबंध में आरडीएसओ के निर्देशों के अनुसार मशीन से कुचले हुए ट्रैक बैलेस्ट का निर्माण, आपूर्ति और ढेर लगाना, ताकि लिफ्टिंग / मैकेनिकल टैम्पिंग के ज़रिए बैलेस्ट प्रोफ़ाइल की कमियों को दूर किया जा सके।	रु. 8,56,95,683/-
2	उप-कार्य-1: दावणगेरे (डीवीजी): दावणगेरे (डीवीजी) स्टेशन पर नया आरपीएफ पोस्ट भवन, महिला बैरक और पुरुष बैरक को बनाना। उप-कार्य-2: चिकजाजुर: चिकजाजुर में आरपीएफ चौकी के लिए एक नया निर्धारित भवन बनाना।	रु. 3,18,98,392/-
3	चामराजनगर (सीएमजीआर): चामराजनगर (सीएमजीआर) स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म नं. 1 और 2 पर पारंपरिक कोच में पानी भरने की सुविधा उपलब्ध कराना। उप-कार्य-1: चामराजनगर (सीएमजीआर): 2.5 लाख लीटर क्षमता का जीएलआर बनाना। उप-कार्य-2: चामराजनगर (सीएमजीआर): 2.5 लाख लीटर क्षमता की ओवरहेड टंकी बनाना। उप-कार्य-3: चामराजनगर (सीएमजीआर) स्टेशन पर पारंपरिक कोच में पानी भरने की व्यवस्था करना। उप-कार्य-4: चामराजनगर (सीएमजीआर) स्टेशन पर कोच में पानी भरने के लिए बोरवेल की व्यवस्था करना। उप-कार्य-5: चामराजनगर (सीएमजीआर) में पीएफटीआर गतिविधियों के लिए एक स्टोर रूम और 16.4मी x 4.5मी आकार का एक स्टाफ़ रूम बनाना।	रु. 2,12,43,495/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.06.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
PUB/189/AAMO/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / मैसूरु
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

गेहूं खरीद की मांग को लेकर किसानों का गंगानगर में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गंगानगर में शनिवार को बड़ी संख्या में किसानों ने गेहूं खरीद की समयसीमा बढ़ाने और खरीद का लक्ष्य बढ़ाने की अपनी मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप भी लगाया। आंदोलन कर रहे किसान ट्रेक्टर के साथ शहर के गंगासिंह चौक पर जमा हुए और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। किसान वहां से क्लेक्टर कार्यालय की ओर जाना चाहते थे लेकिन पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। इससे थोड़ी देर के लिए गतिरोध की स्थिति बन गई, हालांकि, किसान नेताओं और प्रशासन के बीच बातचीत जारी रही। इससे पहले दिन में किसानों ने ट्रैक्टर और गाड़ियों के काफिले के साथ विरोध स्थल पर जाने से पहले पास ही गुरुद्वारा सिंह सभा में बैठक की। किसान नेता संदीप सिंह ने आरोप लगाया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीद में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है और दावा किया कि बार-बार विरोध प्रदर्शन के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हम लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।

किसानों ने मांग की कि सरकार द्वारा घोषित गेहूं खरीद कोटे में बढ़ोतरी का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उन किसानों को दिया जाए जिन्होंने खरीद प्रक्रिया के लिए पहले ही पंजीकरण करा लिया था। प्रदर्शनकारियों ने खरीद, वजन और भुगतान प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की भी मांग की। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

भजनलाल शर्मा ने एसएमएस अस्पताल में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को यहां सरकारी सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल पहुंचकर बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान शर्मा ने विभिन्न विभागों की ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं, जांच सहित साफ-सफाई के संबंध में अस्पताल प्रशासन से जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से बातचीत की तथा उनसे मिली जानकारी के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से जयपुर वापसी पर अचानक एसएसएस अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने धन्वंतरी भवन में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान विभिन्न विभागों की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश का प्रतिष्ठित अस्पताल है, यहां दूसरे राज्यों के लोग भी उपचार के लिए आते हैं जिसके चलते रोगियों की संख्या अधिक रहती है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन सेवाओं में विस्तार और तकनीकी उपाय अपनाकर रोगियों को सुगम एवं सुलभ उपचार उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि रोगियों को जांच और दवाओं के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों और उनके परिजनों के लिए बैठने एवं पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बना रही है, जिससे यहां मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि विगत ढाई वर्ष में एसएमएस में स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके लिए चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल प्रशासन साधुवाद के पात्र है, लेकिन जहां भी सुधार की गुंजाइश है, वहां जरूरी कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) गायत्री राठौड़, एसएसएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राजस्थान में सत्ता और विपक्ष दोनों हो रहे प्रभावहीन

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजनीति इन दिनों एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरते दिखाई नहीं दे रहे हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार के शासन को लेकर आमजन के बीच असंतोष की भावना लगातार बढ़ती हुई नजर आ रही है। महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुस्ती और जनसमस्याओं के समाधान में देरी जैसे मुद्दों ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। यही कारण है कि प्रदेश का एक बड़ा वर्ग स्वयं को उपेक्षित और ठगा हुआ महसूस कर रहा है। केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं में भी निराशा और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है, जिन्हें अपेक्षा थी कि सत्ता में आने के बाद संगठन और सरकार मिलकर पूर्व सरकार से बेहतर परिणाम देंगे।

दूसरी ओर, इस माहौल को देखकर कांग्रेस खेमे में उत्साह जरूर दिखाई देता है। दिल्ली से लेकर जयपुर तक कांग्रेस के कई नेता भाजपा सरकार की कमजोरियों को अपनी राजनीतिक उपलब्धि मानकर एक-दूसरे की पीठ थपथपाने में व्यस्त हैं लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल सत्ता पक्ष की विफलता, विपक्ष की सफलता का प्रमाण नहीं होती। यदि भाजपा बेहतर और प्रभावी शासन देने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रही है, तो कांग्रेस भी एक मजबूत, सक्रिय और जनहितैषी विपक्ष की भूमिका निभाने में सफल नहीं दिख रही।

कांग्रेस संगठन के भीतर भी गुटबाजी, नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा और अंदरूनी खींचतान की चर्चाएं लगातार सामने आती रहती हैं। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि जनता के मुद्दों पर संघर्ष करने की बजाय नेताओं का अधिक ध्यान आपसी शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक समीकरण साधने पर केंद्रित है। परिणामस्वरूप विपक्ष की वह धार दिखाई नहीं देती, जिसकी लोकतंत्र में अपेक्षा की जाती है।

ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में सबसे अधिक निराशा जनता के हिस्से आती है। सत्ता बदलती है, चेहरे बदलते हैं, लेकिन आम आदमी की समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। जनता के बीच यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि प्रदेश की राजनीति दो प्रमुख दलों के बीच सत्ता परिवर्तन तक सीमित होकर रह गई है, जबकि जनहित और सुशासन के मुद्दे पीछे छूटते जा रहे हैं। स्पष्ट बात है कि सत्ता पक्ष जवाबदेह शासन देने और विपक्ष प्रभावी निगरानी की भूमिका में नहीं निभाएगा, तब तक लोकतंत्र का वास्तविक लाभ जनता तक पहुंचना कठिन ही रहेगा।

राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश हुई

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में आंधी व बारिश की गतिविधियां अभी जारी रहेंगी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार सुबह तक के 24 घंटे के दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश डूंगरगढ़ (बीकानेर) व डग (झालवाड़) में 14.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस फलोदी में रहा।इसके अनुसार राज्य के ऊपर बने परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से कुछ भागों में आंधी बारिश की गतिविधियां अभी एक-दो दिन जारी रहने की संभावना है। इसके बाद भी पूर्वी राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। वहीं आठ जून से आंधी बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने का अनुमान है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में आठ से 11 जून के दौरान कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है व कहीं-कहीं 'हीटवेव' की स्थिति रह सकती है।

मुख्यमंत्री ने खारी का लाम्बा गांव में ग्रामीणों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार सुबह भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में ग्रामीणों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शर्मा ने शुक्रवार रात इसी गांव में विश्राम किया था।

शर्मा शनिवार सुबह गांव के भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने गांव के बुजुर्गों जिनमें विशेषकर 107 वर्ष की कुमकुम देवी और 102 वर्ष के ओंकार तेली से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या एवं जीवन के अनुभवों की जानकारी ली।

इस दौरान बुजुर्गों ने उनके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान घर-घर जाकर ग्रामीणों के हालचाल जाने। साथ ही बच्चों को चॉकलेट दी। उन्होंने गांव के रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर में दर्शन किए। वहीं, फूलसागर तालाब किनारे योग कर रहे युवाओं के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया और उनका उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने श्रमदान के साथ तालाब के सौंदर्यीकरण करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर उन्होंने शीशम का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए गांव की आवश्यकताओं और विकास कार्यों पर विस्तार से बातचीत की। वहीं, ग्रामीणों की मांगों पर मुख्यमंत्री ने उप स्वास्थ्य केंद्र को क्रमोन्नत कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने तथा खेल मैदान विकसित करने की घोषणा की। इस बीच गांव में शुक्रवार रात आयोजित ग्राम विकास चौपाल में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने नए कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय की स्थापना, कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त संकाय विज्ञान (जीव विज्ञान) एवं कृषि विज्ञान प्रारंभ करने के आदेश शनिवार सुबह जारी कर दिए गए। ग्रामीणों ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा व विधायक जब्बर सिंह सांखला भी मौजूद थे।

पीएम स्वनिधि योजना के लंबित आवेदनों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की स्थिति, स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति तथा विभिन्न कारणों से लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि 27 जनवरी 2026 के बाद से योजना के अंतर्गत कुल 34,893 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 14,169 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं तथा 12,129 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है। वहीं विभिन्न कारणों से लंबित 2,616 आवेदनों पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए तथा स्वीकृति एवं वितरण प्रक्रिया में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी एवं छोटे स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों को सुलभ वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी संबंधित विभाग एवं संस्थाएं समन्वय के साथ कार्य करें।

नगर निकायों को नवाचार, जनभागीदारी और समयबद्ध शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत राजस्थान के चार शहरों- जयपुर, उदयपुर, अलवर एवं नाथद्वारा- द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 की तैयारियों एवं स्वच्छता क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की समीक्षा की। उन्होंने नगर निकायों को स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के निर्देश दिए।

सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चारों शहरों द्वारा स्वच्छता प्रबंधन, कचरा संग्रहण, अपशिष्ट प्रसंस्करण, जनजागरूकता तथा नवाचार आधारित पहलों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक पहल का डेटा आधारित विश्लेषण किया जाए तथा प्रस्तुतिकरण में कार्यों से प्राप्त परिणाम, लाभार्थियों की संख्या, शामिल मानव संसाधन और संरचित लाभ स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं। उन्होंने उपलब्धियों को प्रभावी इन्फोग्राफिक्स के माध्यम से प्रस्तुत करने पर भी बल दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि वेस्ट-टू-वेल्थ की अवधारणा अत्यंत प्रभावी एवं भविष्य उन्मुख मॉडल है। नगर निकायों को अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, संसाधन पुनर्प्राप्ति तथा कचरे से आय सृजन के प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करना चाहिए। उन्होंने सफल मॉडलों एवं नवाचारों को अन्य शहरों में भी अपनाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, स्पष्ट रूप से निर्धारित कलेक्शन रूट्स, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा शहरों में दृश्य स्वच्छता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रयास नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने चाहिए तथा कचरा संवेदनशील स्थलों को समाप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाए।

मुख्य सचिव ने स्वच्छता व्यवस्था में तकनीक के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए स्वचालित दंड प्रणाली जैसे नवाचारों की सराहना की। उन्होंने पर्यटन स्थलों एवं प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्रों में यांत्रिक सफाई को बढ़ावा देने तथा जनजागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नाथद्वारा जिले द्वारा विकसित वेस्ट-टू-वेल्थ मॉडल, कचरा मुक्त क्षेत्रों के विकास तथा जनजागरूकता आधारित पहलों की मुख्य सचिव ने सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार अन्य नगर निकायों के लिए भी प्रेरणादायक हैं और इन्हें व्यापक स्तर पर अपनाया जाना चाहिए। बैठक में शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, जयपुर नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा सहित स्वायत्त शासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री के नेतृत्व में वंदे गंगा अभियान का समापन, जल संरक्षण का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह कोटा जिले में किशोर सागर स्थित सेवन वंडर्स पार्क में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों को जल गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने किशोर सागर तालाब के घाट पर जल वंदन कर दीपदान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं अभियान के शहरी क्षेत्र समन्वयक रामगोपाल बैरवा सहित गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में नुक्कड़ नाटक, लोक नृत्य, चरी नृत्य, महारास, मारवाड़ी बारात की प्रस्तुति एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण के महत्व तथा राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया। ऊर्जा मंत्री जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ा है। प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया जल बचाने और जल के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश आज पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

युवाओं को दी नौकरी और उद्योगों को दिया बढ़ावा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-विकसित राजस्थान के विजन को साकार करने के लिए डबल इंजन सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राज्य सरकार ने किसान, पशुपालक और युवाओं की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदेश के विकास का रोडमैप तैयार किया है। इसी क्रम में सबसे पहले पानी-बिजली की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा ग्राम पंचायत में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस ग्राम पंचायत में नवीन कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय खोलने एवं नवीन कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन की घोषणा की। साथ ही, विद्यार्थियों की मांग पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान, जीव विज्ञान एवं कृषि विज्ञान संकाय खोले जाने का भी आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के विकास के लिए जल उपलब्धता का रोडमैप बनाया। इसके तहत दशकों से अटकी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य प्रारंभ किया। इसी क्रम में रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी एवं गंगनहर के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ माही, देवास तथा सोम-कमला-अंबा, ब्राह्मणी नदी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी रोडमैप बनाकर ठोस कदम उठाए गए हैं। ढाई वर्ष में ऊर्जा उत्पादन बढ़ने से हम ऊर्जादाता भी बने हैं। वर्ष 2027 तक प्रदेशभर में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य तय किया है तथा अब तक 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों को 6 हजार रुपये की किसान सम्मान निधि दी। वहीं, राज्य सरकार भी 3 हजार रुपये की सम्मान निधि दे रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं जैविक खेती के जरिए अच्छी पैदावार से किसान अपनी आय को बढ़ाएं। स्थानीय कृषि उपज के अनुसार प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना से किसानों का आर्थिक सशक्तीकरण भी होगा। साथ ही, रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में डेयरी एवं सहकारिता सेक्टर को मजबूत बनाया जा रहा है। दूध की प्रसंस्करण इकाइयों की क्षमता एवं दूध संकलन केंद्रों की संख्या में निरंतर वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दिया जा रहा है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना से पशुपालकों को आर्थिक संबल मिला है। हमारी सरकार ने पशुओं के इलाज के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट का संचालन भी किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा कल्याण के संकल्प के साथ हमने ढाई वर्ष में 1.25 लाख पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। इसी प्रकार 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं और सवा लाख पदों पर भर्ती कैलेंडर जारी किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पेपरलीक पर लगाम लगाई है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन किया। इसमें 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। जिनमें से अब तक 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए युवा नीति भी जारी की है। योजनाओं के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधा दी जा रही है। किसान हरफूल ने बताया कि मैंने पॉलीहाउस, सोलर एवं फव्वारा योजना का लाभ लिया है। इन योजनाओं के माध्यम से आधुनिक खेती करना आसान हुआ है, विशेषकर पॉलीहाउस के जरिए खीरे की खेती से मेरी अच्छी आय हुई है। किसान पुरुषोत्तम ने कहा कि उद्यानिकी विभाग से योजनाओं की जानकारी लेकर आंवला और नींबू की बागवानी से मेरी अच्छी आय हो रही है। आंवला की प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की तैयारी भी कर रहा हूं।

उत्सव के रंग में किसी ने भंग डाला तो वर्तमान तो जाएगा ही, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को चेतावनी देते हुए कहा कि उत्सव के रंग में अगर किसी ने भंग डालने का काम किया तो उसका वर्तमान तो जाएगा ही, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में 516 करोड़ रुपए की 262 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''2015-16 में गोंडा में दुर्गा पूजा में दंगे का प्रयास हुआ था और मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित करने नहीं दिया जाता था।'' उन्होंने कहा, ''रामलीला में अड़चन डाली जाती थी। उत्सव प्रारम्भ होने से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। बेटी, व्यापारी सुरक्षित नहीं थे और 2017 से पहले सत्ता में बैठे लोग पेशेवर गुंडों को शरण देते थे और प्रदेश में महीनों कर्फ्यू रहता था।''

योगी ने 2017 के बाद अपनी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की और चेतावनी भरे लहजे में कहा, ''उत्सव के रंग में किसी ने भंग डालने का काम किया तो, वर्तमान तो जाएगा ही, उसका भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा।''

योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, ''गोंडा का विकास तुष्टीकरण, अराजकता, भाई-भतीजावाद और जातिवाद की भेंट चढ़ गया था।'' उन्होंने अपनी सरकार में सबके लिए समान व्यवहार का जिक्र करते हुए कहा, ''हर पात्र व्यक्ति चाहे वह किसी जाति, मत-संप्रदाय का हो, अगर वह पात्रता की श्रेणी में आता है तो उसके साथ कोई भेदभाव नहीं होगा।''

मुख्यमंत्री ने लोगों को आगाह किया, ''अगर आप अच्छे लोगों और अच्छी सरकार को चुनते हैं तो परिणाम अच्छे होंगे। गलत लोग चुनोगे तो उसके खामियाजे से कोई बचा नहीं पाएगा।'' उन्होंने 2017 से पहले के दौर पर निशाना साधते हुए कहा कि तब ''विकास एक गांव तक ही सीमित रह जाता था, सब कुछ वहीं होता था''।

योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने मेडिकल कॉलेज बनवाते समय भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा, ''जब मेडिकल कॉलेज बनाने थे तो हमने यह नहीं कहा कि वे सैफई में बनेंगे। हमने कहा कि वे गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, अयोध्या और बस्ती में बनेंगे।''

अयोध्या का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब तो श्री अयोध्या धाम में राम भक्त के अलावा कोई 'रामद्रोही' घुस ही नहीं सकता... अयोध्या में ऐसी व्यवस्था की गई है। आज अयोध्या चमक रही है और हर व्यक्ति जो वहां जाता है गौरव की अनुभूति करता है।

ब्रिक्स देशों ने आपदा प्रबंधन में ओडिशा की उपलब्धियों की सराहना की : सुरेश पुजारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ब्रिक्स देशों ने आपदाओं के दौरान जीवन रक्षा के लिए ओडिशा सरकार की उपलब्धियों की सराहना की है और प्रमुख चक्रवातों के दौरान हताहतों की संख्या लगभग शून्य रखने की दिशा में राज्य के निरंतर प्रयासों को स्वीकार किया है। एक मंत्री ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने पुरी में तीन दिवसीय ब्रिक्स आपदा जोखिम न्यूनीकरण समूह (डीआरआरजी) की बैठक के समापन के बाद यहां राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ओएसडीएमए) के

संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा, ब्रिक्स डीआरजी बैठक की सफल मेजबानी ने आपदा से निपटने और तैयारी के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में ओडिशा की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को और बढ़ाया है।

मंत्री ने कहा कि यह 'विकसित ओडिशा 2036' ढांचे में उल्लिखित दृष्टिकोण के साथ निकटता से मेल खाता है, जिसका उद्देश्य आपदाओं में शून्य हताहत परिणामों को बनाए रखना, लचीले बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, ओडीआरएएफ (ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल) का आधुनिकीकरण करना और आजीविका पर आपदा के प्रभावों को कम करना है।

इस बैठक से ओडिशा को प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियों का सामना करने के अपने संकल्प को मजबूत करने में भी मदद मिली। उन्होंने कहा, इस बैठक ने ओडिशा के अधिकारियों और आपदा प्रबंधन पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सीधे बातचीत करने, ज्ञान का आदान-प्रदान करने और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में वैश्विक अनुभवों से सीखने में सक्षम बनाया।

सिक्किम में आग लगने से मठ और दो घर जलकर खाक

गंगटोक/भाषा। उत्तरी सिक्किम के लाचेन क्षेत्र में लगी आग में 61 साल पुराना एक मठ और उससे सटे दो घर जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। 'थांगू सेर्टोक गुम्पा' में आधी रात के आसपास आग लग गई और यह आसपास के दो घरों में भी फैल गई, जिसपर स्थानीय लोगों ने काबू पाया, क्योंकि दमकल गाड़ियां दुर्गम रास्तों के कारण घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकीं। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि मठ से कुछ भी बचाया नहीं जा सका और आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। वर्ष 1965 के आसपास निर्मित 'थांगू सेर्टोक गुम्पा' का इस क्षेत्र के लोगों के लिए अपार धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व था। मंत्री एवं स्थानीय विधायक समदुप लेपचा ने इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। मंत्री ने लोगों को मठ के पुनर्निर्माण और जिन लोगों के घर जलकर खाक हो गए हैं उन्हें पुनर्वास के लिए हरसंभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

बंगाल में एक लाख करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि आने वाले वर्षों में राज्य में लगभग एक लाख करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को इन परियोजनाओं के वास्ते रेलवे को जमीन देने की समयसीमा तय करने का निर्देश दिया। अधिकारी ने यहां राज्य सचिवालय में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, ''पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान राज्य और केंद्र के बीच टकराव की स्थिति थी। फलस्वरूप बंगाल में रेलवे विकास लगभग ठप हो गया था। अब सरकार बदलने के बाद यह समस्या दूर हो जाएगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, ''यदि हम लंबित परियोजनाओं के लिए भूमि और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) उपलब्ध करा दें, तो रेलवे बोर्ड और मंत्रालय के लिए अब भी एक लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश का अवसर है।''

अधिकारी ने बताया कि उनकी सरकार कम से कम 60 परियोजनाओं के लिए भूमि देने के अलावा 'फुट ओवरब्रिज' और 'अंडरपास' के लिए पहले ही 40 एनओसी जारी कर चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 102 स्टेशनों के आधुनिकीकरण के अलावा, राज्य में 538 'फ्लाईओवर' और 'अंडरपास' बनाए जायेंगे। उन्होंने शनिवार को बैठक में मौजूद जिलाधिकारियों तथा डिजिटल माध्यम से भाग लेने वाले जिलाधिकारियों से रेल मंत्रालय की घोषित परियोजनाओं के लिए भूमि हासिल करने में सहायता करने को कहा, ताकि पूरे राज्य को नेटवर्क के अंतर्गत लाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारी सरकार के दृष्टिकोण और मिशन को स्पष्ट रूप से समझें। जिस तरह हमने बीएसएफ को (बाड़ लगाने के लिए) जमीन मुहैया कराई, उसी उत्साह के साथ हम पश्चिम बंगाल में रेलवे नेटवर्क का विस्तार करेंगे।'' उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड ने राज्य में लगभग 61 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें जंगलमहल, नंदीग्राम, करीमपुर, जलांगी, तेहट्टा, नदिया, मुर्शिदाबाद, लालगढ़, दक्षिण दिनाजपुर और सुंदरबन की प्रमुख परियोजनाएं और मेट्रो रेलवे विस्तार परियोजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, रेलवे बोर्ड जमीन खरीदने के लिए शत प्रतिशत वित्तपोषण प्रदान करता है। कुछ मामलों में, राज्य सरकार जमीन खरीदकर रेलवे को सौंप देती है। जहां भी आवश्यक होगा, हम रेल मंत्रालय की सहायता करेंगे। अधिकारी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एक समयसीमा तैयार करें, जिसमें यह स्पष्ट हो कि परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि कब तक रेलवे को सौंपी जा सकती है ताकि परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी न हो। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच सहयोग से रेलवे अवसंरचना विकास की गति तेज होगी।

प्रधान का पद पर बने रहना लाखों छात्रों और उनके परिवारों का अपमान : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर शनिवार को कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पद पर बने रहना सत्ता के लिए उनकी ''निर्लज्ज लालसा'' का परिचायक तथा लाखों छात्रों और उनके परिवारों का अपमान है।

मुख्य विपक्षी दल मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के पेपर लीक और ओएसएम से जुड़े विवाद को लेकर निरंतर उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक अंग्रेजी दैनिक की खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हफ्तों तक किसी भी गलत काम से इनकार करने और यह दावा करने के बाद कि उसके कोएम्पट (कॉन्ट्रेक्टर) के 'ऑन मार्क पोर्टल' पर सबकुछ ठीक है, सीबीएसई को आखिरकार कोएम्पट की अक्षमता को स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''इसकी शुरुआत डेटा उल्लंघन की सार्वजनिक स्वीकृति के साथ हुई और यह 19 वर्षीय निसर्ग अधिकारी द्वारा साइबर सुरक्षा कमजोरियों की रिपोर्ट किए जाने के महीनों बाद हुआ।''

रमेश ने कहा कि अब यह और भी स्पष्ट हो गया है, क्योंकि रिपोर्ट सामने आ रही हैं कि सीबीएसई ने

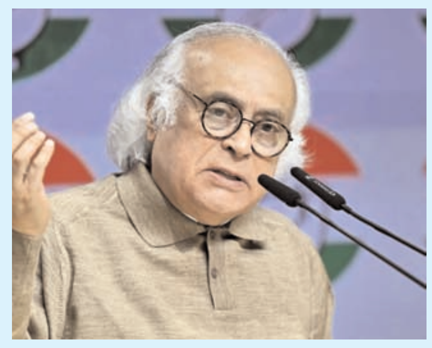

आईआईटी विशेषज्ञों और स्वयं निसर्ग द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग करके 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए अपना खुद का प्लेटफॉर्म बनाया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मंत्री प्रधान को इन गलतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

रमेश ने दावा किया, ''यह सब उनकी निगरानी में, या तो उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण, या उनकी अपनी अक्षमता और शासन के प्रति उदासीन रवैये के कारण हुआ है। किसी भी तरह, उनका पद पर बने रहना लाखों छात्रों और उनके परिवारों का अपमान है।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मंत्री प्रधान समझौतावादी मंत्रालय चलाने वाले एक ''अहंकारी'' और ''अक्षम'' व्यक्ति के रूप में बेनकाब हो गए हैं।

उम्मीद करता हूं कि सूर्यकुमार को आराम दिया गया है : प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से सूर्यकुमार यादव को हटाए जाने से पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद हैरान हैं और उनका मानना है कि विश्व कप जीतने वाली टीम के इस कप्तान को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की तरह ही आराम दिया गया है।

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने शनिवार को आयरलैंड और इंग्लैंड के जून-जुलाई में होने वाले दौरे और सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान नियुक्त किया है।

कप्तानी और टीम में जगह गंवाने के बाद सूर्यकुमार का करियर मुश्किल दौर में है।

प्रसाद ने पीटीआई से कहा, ''आप विश्व कप जीतने वाले कप्तान को इस तरह नहीं हटा सकते और वह भी अगले ही अंतरराष्ट्रीय मैच में। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या को आराम दिया गया है। मुझे यकीन है कि सूर्या को भी आराम दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''वह इतने अच्छे और बड़े खिलाड़ी हैं कि उन्हें हटाया नहीं जा सकता।

प्रसाद ने कहा कि आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियन्स के लिए मुश्किल अभियान के बाद सूर्यकुमार, बुमराह और पंड्या जैसे मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना बुरा विचार नहीं है।

बुमराह और पंड्या दोनों ही आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं।

प्रसाद ने कहा, ''चयनकर्ताओं ने तीनों को आराम दिया है। यह देखना दिलचस्प है कि सूर्यकुमार, हार्दिक और बुमराह लंबे समय तक आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''बुमराह अब भी नंबर एक हैं इसलिए तीनों को आराम देने में कोई हर्ज नहीं है। मुझे यकीन है कि वे सभी जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।''

प्रसाद ने साथ ही कहा कि हाल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब दिलाने वाले रजत पाटीदार को भी टीम में चुना जाना चाहिए था।

सिर्फ 15 साल की उम्र में सीनियर टीम के लिए चुने जाने पर सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बनने पर वैभव सूर्यवंशी के बारे में प्रसाद ने कहा, ''मैं उसके लिए बहुत खुश और उत्साहित हूं। वह बहुत ही असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है। चयनकर्ताओं ने इसे पहचाना और उसे मौका दिया।'' उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि वह खेलते हुए दिखेगा और हर कोई उसे सबसे ऊंचे स्तर पर बल्लेबाजी करते हुए और खेलते हुए देखना चाहता है।''

बुमराह और हार्दिक को लंबे प्रारूप के लिए बचाकर रखा जाएगा : अगरकर

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय चयन पैनल ने शनिवार को आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिए मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टीम में शामिल नहीं किया जिससे साफ संकेत मिलता है कि चयनकर्ता उनकी सेवाओं को आने वाले सत्र में टेस्ट और वनडे मैचों के लिए बचाकर रखना चाहते हैं।

बुमराह और पंड्या हाल में हुए आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए अपनी पुरानी लय में नहीं दिखे। वे पिछले साल के आखिर से ही लगातार टी20 मैच खेल रहे थे जिसमें विश्व कप जीत भी शामिल रही इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों का सावधानी से इस्तेमाल करने की जरूरत है।

बुमराह 17 सितंबर से तीन अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों में वापसी करेंगे, लेकिन

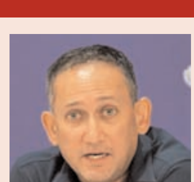

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने साफ कर दिया कि इस तेज गेंदबाज का इस्तेमाल ज्यादातर लंबे प्रारूप में किया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या बुमराह को टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखा जा रहा है तो अगरकर ने जवाब दिया, ''हां और वनडे विश्व कप के लिए भी जैसा पिछले विश्व कप में टी20 प्रारूप था। हम जानते हैं कि वह कितने अहम हैं। '' उन्होंने आगे कहा, ''विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में अगर हम अगले नौ टेस्ट मैच में अच्छा खेलते हैं तो हमारे पास फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। अगर जसप्रीत ज्यादातर मैच खेल सकें और फिर भी फिट और स्वस्थ रहें, तो यह हमेशा एक अच्छी बात होगी। '' भारत को ऑस्ट्रेलिया के साथ घरेलू मैदान पर पांच मैचों की सीरीज खेलने से पहले श्रीलंका और न्यूजीलैंड के दौरे पर दो-दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इसी सीरीज से 2025-2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के फाइनल में उनके क्वालीफाई करने का फैसला होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम अंक तालिका में बांग्लादेश से पीछे छठे स्थान पर है और अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए उन्हें बुमराह के जबरदस्त प्रदर्शन की जरूरत होगी।

मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है, नार्वे शतरंज में जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओस्लो/भाषा। भारत के स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने नार्वे शतरंज में जीत को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि महान खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन सहित दुनिया के कुछ सबसे मजबूत खिलाड़ियों को हराने से यह खिताब और भी यादगार बन गया है। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का स्तर बहुत ऊंचा था और औसत रेटिंग भी अब तक के सबसे ऊंचे स्तरों में से एक थी जिससे उनकी जीत का महत्व और बढ़ गया।

प्रज्ञानानंदा 2013 में शुरू हुए नार्वे शतरंज टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने दुनिया के नंबर एक और सात बार के चैंपियन कार्लसन को दो बार हराकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रज्ञानानंदा ने कड़े मुकाबले में खिताब जीता क्योंकि ओपन वर्ग के सभी छह खिलाड़ियों की रेटिंग 2700 से ऊपर थी और कार्लसन 2840 रेटिंग के साथ शीर्ष खिलाड़ी थे जिससे इस खिताब की अहमियत और बढ़ गई। विन्सेंट कीमर के खिलाफ आखिरी दौर में जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। औसत रेटिंग के मामले में भी यह अधिक मजबूत है।

मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि विज्क आन जी (टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट) में कुछ खिलाड़ी 2600 रेटिंग वाले होते हैं लेकिन यहां सिर्फ शीर्ष खिलाड़ी हैं।'' कीमर को हराने के बाद प्रज्ञानानंदा के 18 अंक हो गए और उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा को पछाड़कर खिताब जीता।

प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''इसे जीतना अधिक खास है और इसमें यह बात भी जुड़ जाती है कि मैग्नस वहां थे। साथ ही लगातार चार बाजी जीतना भी।'' उनकी पिछली सबसे बड़ी जीत नीदरलैंड के विज्क आन जी में 2025 टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में आई थी। भले ही प्रज्ञानानंदा का पूरा ध्यान कीमर के खिलाफ मुकाबले पर था लेकिन कभी-कभी उनका ध्यान दूसरे बोर्ड की ओर भी चला जाता होगा जहाँ सो का मुकाबला अलीरेजा से हो रहा था। अगर सो क्लासिकल बाजी जीत जाते तो प्रज्ञानानंदा खिताब से चूक जाते। उस मुकाबले का ड्रॉ नतीजा निर्णायक साबित हुआ और मैच टाईब्रेक में चला गया जहां सो ने जीत दर्ज की लेकिन उन्हें तीन की जगह सिर्फ डेढ़ अंक मिले। प्रज्ञानानंदा ने कहा, ''मैं खुश था कि वह मैच (सो बनाम अलीरेजा) ड्रॉ रहा... मुझे बस जीतना था और मुझे (कीमर के खिलाफ) जीतना ही था।'' प्रज्ञानानंदा ने कहा कि टूर्नामेंट में शुरुआती झटकों के बाद भी उनके खेलने के तरीके में कोई खास बदलाव नहीं आया जिससे उन्हें लगातार चार जीत मिली और वे खिताब जीतने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि एक अहम बदलाव यह था कि उन्होंने जानबूझकर 'टाइम ट्रबल' (समय की कमी) से बचने और पूरे टूर्नामेंट के दौरान तेजी लेकिन संयम के साथ शतरंज खेलने की कोशिश की।

गौतम गंभीर के भरोसे ने बढ़ाया साई सुदर्शन का आत्मविश्वास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के भरोसे ने युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को मानसिक रूप से काफी मजबूती दी जिससे उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन खुलकर खेलने की आजादी मिली।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा था कि तमिलनाडु के बाएं हाथ के बल्लेबाज को खुद को साबित करने के लिए पर्याप्त मौके दिए जाएंगे। उनका मानना है कि केवल छह मैचों के आधार पर किसी खिलाड़ी की प्रतिभा का आकलन नहीं किया जा सकता।

सुदर्शन ने कोच के इस भरोसे पर खरा उतरते हुए 81 रन की आकर्षक पारी खेली। भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक तीन विकेट पर 368 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। कप्तान शुभमन गिल 103 जबकि ऋषभ पंत 50 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। केएल राहुल ने 100 रन बनाये।

दिन का खेल खत्म होने के बाद सुदर्शन ने कहा, '' जब कोच, कप्तान और पूरी टीम आपका समर्थन करती है, तो इससे बहुत आत्मविश्वास मिलता है। यह जानकर अच्छा लगता है कि वे चाहते हैं कि आप देश और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करें और मैच जिताएं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे माहौल में आप पूरी आजादी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा सकते हैं। तब यह चिंता नहीं रहती कि अगला मैच मिलेगा या नहीं। टीम से मिले इस भरोसे के कारण मन पूरी तरह खेल पर केंद्रित रहता है।''

सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी की। इसमें उनके 81 रन शामिल थे। हालांकि उन्होंने कहा कि यह किसी एक बल्लेबाज के हावी होने की साझेदारी नहीं थी। उन्होंने बताया, ''हमारी बातचीत पिच के व्यवहार और गेंदबाजों की रणनीति को समझने पर केंद्रित थी। केएल भाई काफी संयमित रहते हैं और बल्लेबाजी के दौरान आत्मविश्वास देते हैं। बल्लेबाज के तौर पर इससे काफी मदद मिलती है वह खेल को बहुत अच्छी तरह पढ़ते हैं और उनकी सलाह काफी मददगार होती है।''

दक्षिण अफ्रीका के पिछले भारत दौरे पर भारतीय टीम को स्पिनरों की मददगार पिचों पर मुश्किल का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस मैच में स्पिनरों पर दबाव बनाने और रन बनाने की रणनीति पर विशेष चर्चा हुई। उन्होंने कहा, ''हमारी सबसे बड़ी चर्चा यही थी कि स्पिन को बेहतर तरीके से कैसे खेला जाए और परिस्थितियों का फायदा उठाकर रन कैसे बनाए जाएं। सिर्फ समय बिताने के बजाय रन बनाने पर जोर था।''

सुदर्शन ने कहा, ''मानसिक रूप से मैं अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखना चाहता था। वहीं रणनीतिक तौर पर हम यह सोच रहे थे कि गेंदबाजों कैसे हावी हो कर लगातार स्कोरबोर्ड चलाते हुए उन पर दबाव कैसे बनाए रखा जाए।''

सुदर्शन ने कहा कि आने वाले दिनों में पिच से अधिक टर्न मिलने की संभावना है। इसके साथ गेंद धीमी होती जायेगी और उछाल में कमी आयेगी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अगले कुछ दिनों में गेंद नियमित रूप से टर्न करेगी। पिच और धीमी तथा नीची भी हो सकती है। फिलहाल उसका व्यवहार इसी ओर संकेत कर रहा है।''

सुविचार

धैर्य रखना एक कड़वा पौधा है, लेकिन इसका फल हमेशा मीठा होता है।

ट्वीट

आज मैंने बामनवास विधानसभा क्षेत्र के बाद मोहनपुर गांव में महात्मा ज्योतिबा फुले जी और मातोश्री सावित्रीबाई फुले जी की मूर्ति के अनावरण समारोह में भाग लिया, जिन्होंने अपना जीवन शोषित, वंचित और महिलाओं की शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया।

-अशोक गहलोत

भारतीय महिला यू18 हॉकी टीम को यू18 एशिया कप 2026 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में ज़बरदस्त हिम्मत दिखाई। टीम को उनके आने वाले प्रयासों के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

-नरेन्द्र मोदी

कहानी

संवेदना

महानगर की पॉश कॉलोनी के व्यस्त चौराहे के एक मार्ग पर स्थित नामी फैमिली रेस्टॉरेंट के बाहर खड़ी गाड़ियों की लम्बी कतारें खुद- ब- खुद रेस्टॉरेंट के अंदर भीड़ के अंदेशे को जन्म दे रही थीं। राजन की तरह शायद और भी बहुत लोगों ने शनिवार की रात यहीं पर ही खाना खाने का मानस बनाया था। घड़ी में रात के आठ बजे थे। वह यहां पहली बार ही आया था। वह अपनी पत्नी ,पुत्र और पुत्रवधू के साथ अपना नम्बर आने पर रेस्टॉरेंट के अंदर चला गया ।ज्यादातर टेबल पर चार व्यक्तियों के खाने की ही व्यवस्था थी। यह व्यवस्था इस बात की ओर भी इशारा कर रही थी कि यहां अधिकतर चार या कम सदस्यों वाले छोटे परिवार ही आते थे। उसने बहुत बड़े डाइनिंग हॉल में चारों ओर नज़र दौड़ाई तो देखा कि बीच में जरुर कई टेबल्स को एक दूसरे से मिलाकर रखा गया था। टेबल्स के दोनों तरफ लगभग चालीस व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था थी। बीच में एक भव्य बड़ी कुर्सी रखी गई थी। हॉल की बाकी टेबल्स पर लोगों को वेटर्स खाना सर्व कर रहे थे। महानगर की आपाधापी की ज़िंदगी में इतना वक़्त ही कहां मिलता है कि व्यक्ति घर पर अपने परिवार के साथ सुकून से बैठकर खाना खा सके और बातचीत कर सके । रोजमर्रा की ज़िंदगी मे अलसुबह शुरु हुई भागमभाग देर रात तक खत्म होती है। बहुत लोग शनिवार या रविवार को पूरा समय अपने परिवार के साथ बिताते हैं। जिसमें कई परिवार घर से बाहर जरुरी सामान खरीदने ,घूमने ,मित्रों ,परिवारजनों से मिलने और खाना खाने के लिए भी निकलते हैं।

राजन अपने परिवार के साथ खाना खा ही रहा था कि एक साथ बहुत से लोगों ने डाईनिंग हॉल में प्रवेश किया।उस वक़्त हॉल में खाना खा रहे सभी लोग उनकी ओर देखने लगे थे।एक साथ आए सभी बच्चे, युवा और बुजुर्ग बीच में टेबल्स के साथ लगी चेयर्स पर शांति से बैठ गए।सभी एक ही सिख परिवार से थे।भाषा और पहनावे से सम्पन्न परिवार के दिख रहे थे।कुछ ही देर में वेटर्स ने बीच की टेबल पर गत्ते का बड़ा बॉक्स लाकर रख दिया। तब तक वह समझ चुका था कि कोई पारिवारिक पार्टी मनाने के लिए वे लोग वहां आए थे। कुछ ही देर में वेटर से पता चला कि उसका अनुमान सही था। वे सभी लोग एक बर्थडे पार्टी के लिए ही आए थे। लेकिन यह बर्थडे पार्टी किसी बच्चे या युवा की नहीं, बल्कि परिवार के सबसे बुजुर्ग चौरानवे वर्षीय परदादा जी की थी। परदादा जी को व्हीलचेयर पर वहां लाकर भव्य बड़ी कुर्सी पर बैठाया गया। बॉक्स में से केक निकालकर घर के हर सदस्य ने अपनी-अपनी शुभकामनाओं से उसे सजाया। परदादा जी ने जब केक काटा उस समय परिवार के लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट और उनकी लम्बी उम्र के बर्थडे सॉंग से पूरा हॉल गूंज उठा। सभी घर वालों ने एक - एक कर उनके चरण स्पर्श किए और आशीर्वाद लिया। यह देख हॉल में मौजूद सभी लोगों की आंखें खुशी से नम हो गईं। शायद सभी के लिए यह एक नया अनुभव था। भारतीय सामाजिक परम्परा और मानवीय मूल्यों का सम्मान करने वाला यह एक आदर्श संयुक्त परिवार था। खाना खाने के बाद राजन ने भी उन बुजुर्ग के चरण स्पर्श कर जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

सिख परिवार के एक युवक से ,जोकि उनका प्रपौत्र था,जब राजन ने उस परिवार के बारे में कुछ जानना चाहा तो उस युवक ने बताया कि परदादा जी और परदादी जी का जन्मदिन और मैरिज एनीवर्सरी हर वर्ष अलग - अलग शहर और होटल या रेस्टॉरेंट में वे सभी इसी तरह से मनाते हैं।पूरे परिवार के सभी सदस्य इस अवसर पर साथ में होते हैं। लगभग सत्तर वर्ष पहले परदादा जी नौकरी के लिए अकेले इस शहर में आए थे। एक कंपनी में नौकरी लगे और उसी कंपनी के उच्च पद से रिटायर भी हुए।अपना परिवार चलाने के लिए और यहां बसने के लिए उन्हे बहुत संघर्ष करना पड़ा था। उनके बेटों पोतों के परिवार ज्यादातर अलग -अलग शहर में रहते हैं। कोई सरकारी तो कोई प्राइवेट नौकरी में है। हर परिवार के महत्वपूर्ण निर्णय सभी दादा जी और परदादा जी से पूछ कर लिए जाते हैं। परिवार में सभी त्योहार और कार्यक्रम एक ही जगह मनाए जाते हैं।युवक ने एक बुजुर्ग की ओर इशारा करते हुए बताया कि परदादा जी और परदादी जी उन बड़े दादाजी के परिवार के साथ इसी शहर में रहते हैं। बाकी सभी सदस्य बाहर से आए हैं।बड़े दादाजी ही वार-त्योहार या परिवार में होने वाले किसी भी कार्यक्रम में होने वाले पूरे परिवार के खर्चे का हिसाब रखते हैं।वह युवक भी विदेश में रहकर पढ़ाई कर रहा है और इस कार्यक्रम के लिए ही यहां आया है । आज के समय में भी अपने संस्कारों और अपनी परम्पराओं से जुड़ी आधुनिक नौजवान पीढ़ी को देखकर राजन को खुशी और आश्चर्य हुआ। ऐसे उदाहरण कम ही देखने को मिलते हैं। एक ही छत के नीचे एक ही परिवार की चार पीढियां एक साथ मौजूद थीं।

घर लौटते समय कार टैक्सी की आगे की सीट पर बैठा राजन सिख बुजुर्ग की बर्थडे पार्टी को याद करते हुए अलग ही विचारों में खो गया। उसकी आँखों के सामने अपने मां-बाबूजी, भाई और उनके परिवार के सदस्यों के चेहरे घूमने लगे। दिमाग में कई तरह के सवालों और विचारों के चलते वह अतीत की यादों में कब खो गया पता ही नहीं चला। लगभग पचास वर्ष पहले गांव से उसके बाबूजी इसी शहर में नौकरी के लिए अपनी पत्नी और चार पुत्रों के साथ आए थे। बाबूजी और अल्पशिक्षित मां का शहर में कोई जानकर नहीं था।इससे पहले कि साथ में लाई जमापूंजी खत्म होती बाबूजी की एक फैक्ट्री में नौकरी मिल गई। फैक्ट्री के पास ही बनी चाल में रहने के लिए किराये पर एक कमरा ले लिया था। गांव में राजन और उसका छोटा एक भाई स्कूल जाया करते थे। दोनों भाइयों को बाबूजी ने शहर के सरकारी स्कूल में पढ़ने के लिए भर्ती करा दिया। कुछ वर्ष बाद उसके छोटे दोनों भाई भी उसी स्कूल में पढ़ने लगे थे।बाबूजी अपने बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए देखे सपनों को पूरा करने के लिए फैक्ट्री में दो शिफ्ट में काम कर दिन रात मेहनत करते थे।मां भी पड़ोस की औरतों के कपड़े सिलती थी। उससे मिले पैसे से वह भी बाबूजी को कमाई में सहारा दिया करती थी। कमाई के सीमित संसाधनों से किसी तरह घर का गुजारा हो जाता था। उसने खुद भी दसवीं कक्षा पास करने के बाद से कॉलेज तक की पढ़ाई बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने से मिले पैसों से करी थी। अपने तीनों भाइयों की पढ़ाई का भी वो पूरा ध्यान रखता था।उसने बाबूजी के सपनों को पूरा करने में अपनी तरफ से कभी कोई कसर नहीं छोड़ी।

समय अपनी रफ्तार से दौड़ रहा था। देखते ही देखते यह शहर तेजी से बढ़ते हुए कंक्रीट और लोहे का जंगल बन गया। महानगर में तब्दील हुए इस शहर की सड़कों के दोनों ओर बनी बहुमंजिला व्यावसायिक और रिहायशी इमारतों के बीच से निकलती सड़क घने जंगल के बीच से बहती हुई नदी सी दिखती थी।ज्यादातर इंसानी जिंदगी रेंगते हुए ही गुजर रही थी।हर शख्स बेहतर ज़िंदगी जीने की जद्दोजहद में इधर उधर भागता नजर आता था। महानगर के लोगों की बदलती जीवनशैली, यहां की चकाचौंध, परिवेश और भौतिक संसाधन बाहर के लोगों को आकर्षित कर रहे थे। उसके गांव से यहां नौकरी के लिए आए आज भी बहुत कम लोग या परिवार थे जो अपनी ज़िंदगी के इस सफर में चल रहे या दौड़ रहे थे। ज्यादातर लोगों की ज़िंदगी में एक ठहराव सा था। आंखों में बेहतर ज़िंदगी के सपने संजोए अपना गांव ,कस्बा छोड़कर आए नौजवान और परिवार यहां आकर भीड़ में कहां गुम हो जाते , पता ही नहीं चलता था । कुछ थे जिन्होंने अपने सपनों को मरने नहीं दिया और संघर्ष करते हुए कामयाबी की मंजिल की ओर बढ़ रहे थे। देखते ही देखते महानगर में एक साथ कई शहर बस गए थे।एक जिसमें धनाढ्य वर्ग के लोग रहते थे।दूसरा उच्च मध्यम वर्ग का तीसरा मध्यम वर्ग का चौथा अल्प आय वर्ग के लोगों का स्वघोषित शहर बसता था। वहां जाकर और देखकर हर कोई इसका अंदाजा लगा सकता था।

फैक्ट्री में काम में बढ़ते अनुभव के साथ बाबूजी की तनख्वाह बढ़ गई थी। मां का भी सिलाई बुनाई का काम सही चल पड़ा था। कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के बाद उसकी एक कंपनी में नौकरी लग गई । छोटे तीनों भाई उस वक्त कॉलेज में पढ़ रहे थे।गांव से आया उनका गरीब परिवार धीरे - धीरे इस शहर में अपने पैर जमाने के लिए संघर्ष कर रहा था ।मां-बाबूजी की अपने सपनों को पूरा करने की लगन और मेहनत धीरे -धीरे अपना आकार ले रही थी।बाबूजी ने रिटायर होने से पहले सोसायटी की बहुमंजिला इमारत में दो कमरों का एक फ्लैट मासिक किश्तों पर खरीदा। फ्लैट की मासिक किश्त पहले तीन साल तो बाबूजी और उनके रिटायरमेंट के बाद में राजन चुकाता था। प्राइवेट नौकरी के कारण उन्हें पेंशन नहीं मिलती थी।बाबूजी के रिटायरमेंट के समय उसके छोटे भाई भी अपनी पढ़ाई पूरी कर प्राइवेट नौकरी करने लगे थे।

बढ़िया तनख्वाह की नौकरी लगने के कुछ समय बाद एक-एक कर छोटे तीनों भाई ऑफिस दूर होने के कारण, घर से वहां आने जाने में समय और पैसे की बर्बादी बचाने के लिए ,अपने-अपने ऑफिस के पास एक कमरे का फ्लैट किराये पर लेकर अलग -अलग रहने लगे। उसके और बाबूजी के बहुत समझाने का उन तीनों पर कोई असर नहीं हुआ।यह सब होता देख मां-बाबूजी को अपने सपने तार तार होते नजर आने लगे थे। वक़्त और हालात से शायद उन्होंने समझौता कर लिया था।उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि इन तीनों की परवरिश में उनसे चूक कहां हो गई। तीनों भाई अलग-अलग समय रविवार को थोड़ी देर के लिए उनसे मिलने आते और हमेशा नौकरी में पैसों और ऊंचे पद की बात करते थे। बच्चों के विवाह की अपनी जिम्मेदारी से भी मां-बाबूजी मुक्त होना चाहते थे। बहुत जल्द ही वो अपनी इस जिम्मेदारी से मुक्त हो भी गए। एक ही महीने में विवाह के चार शुभ मुहूर्त होने पर उन्होंने अपने चारों पुत्रों का विवाह उनकी पसंद से करवा दिया।राजन और उसकी पत्नी मां- बाबूजी के साथ और छोटे तीनों भाई अपनी पत्नियों के साथ अपने-अपने घर रहने लगे।

बीतते समय के साथ सभी अपने-अपने परिवार में रम गए थे। धीरे-धीरे राजन के तीनों भाई मां-बाबूजी के स्वास्थ्य या संयुक्त परिवार के प्रति किसी भी जिम्मेदारी से खुद ही मुक्त हो गए। रविवार को भी उन्होंने आना बहुत कम कर दिया । मां-बाबूजी के अपने परिवार के बारे में देखे गए ख्वाब टूटकर बिखर गए थे। समय के साथ सभी भाइयों के परिवार भी बढ़े लेकिन खून के आपसी सम्बन्धों में उनके औपचारिकता ज्यादा नजर आने लगी थी। उसके तीनों भाइयों और उनके परिवार की भावनाएं और संवेदनाएं न जाने कहां गुम हो गई थीं। राजन हर मौके पर बड़े भाई होने का अपना फर्ज निभाता रहा। बुजुर्ग मां-बाबूजी की देखभाल भी वही करता था। उनका ज्यादा समय राजन के पुत्र सनी के साथ खेलने में गुजर जाता था। बुढ़ापा बचपन की पुनरावृत्ति ही था।

तीनों भाइयों के परिवार या बच्चे भी उनसे मिलने बहुत कम आते थे। सभी भाइयों के परिवार के सदस्यों का आपस में मिलना बहुत कम यहां तक कि नहीं के बराबर होता था।इसलिए वक़्त के साथ बढ़ती उम्र के बच्चों में अपने ही परिवार के सदस्यों के प्रति आदर और सम्मान की भावना, शर्म और लिहाज में भी कमी दिखाई देती थी। तीनों भाई आर्थिक स्थिति को देखते हुए सभी के प्रति अपना नजरिया बदल लेते थे। शायद अभाव में गुजरे बचपन के कारण पैसों के लालच ने उनकी भावनाओं और संवेदनाओं को खोखला कर दिया था। बहुत कम अवसरों पर उनके परिवार के सदस्य खुले मन से आपस में सभी से घुलते मिलते नजर आते थे।उनके पास एक दूसरे के सुख दुःख जानने लिए समय और इच्छा दोनों नहीं होते थे। हद तो तब हो गई थी जब बाबूजी की मृत्यु के बाद उनकी पुण्यतिथि पर मां के जीवित होते हुए भी तीनों भाइयों के परिवार के सभी सदस्य नही आए। बाद में भी कभी जो भी आता था नियत समय के लिए ही आता था। मां के सुख- दुःख से उन्हें कोई सरोकार नहीं था । यह देखकर बुजुर्ग मां पूरी तरह टूट गई थी।जिन बच्चों के भविष्य को बनाने के लिए मां-बाबूजी ने अपने समय और खुशियों को कुर्बान कर दिया था ,उन्ही बच्चों के पास उनके लिए समय नहीं था।

कुछ समय बाद मां भी दुनिया से हमेशा के लिए चली गई।उसकी पुण्यतिथि पर भी भाइयों का और उनके परिवार के सदस्यों का व्यवहार पहले जैसा ही रहा था। मां की मृत्यु के कुछ समय बाद भाइयों ने जब राजन को बाबूजी के फ्लैट में उनका भी हिस्सा होने की बात कही तो यह सुनकर उसकी आंखें नम हो गई। उनके जाने के बाद वह अकेले में फूटफूटकर रोने लगा था। कुछ ही दिनों में उसने फ्लैट को बेचने की आवश्यक कार्रवाई कर उसे बेचकर मिला सारा पैसा अपना हिस्सा लिए बिना तीनों भाइयों में बराबर बांट दिया । उसके बाद उसने अपने लिए दूसरी सोसाइटी में तीन कमरों का फ्लैट मासिक किश्तों पर खरीदा था। पुत्र सनी के विवाह के समय भी उसने अपने भाइयों के परिवार के हर सदस्य को विवाह के हर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कहा था, लेकिन वो विवाह के दिन के अलावा किसी कार्यक्रम में नही आए।उसके तीनों भाइयों के पैसों के लालच, संवेदनहीनता और झूठे अहम के दीमक ने मानो उनके आपसी रिश्तों को ही चाट लिया था। अचानक हॉर्न की तेज आवाज सुनकर वह वर्तमान में लौटा तो देखा कि उसकी नम आंखों से टपकते आंसुओं से उसकी शर्ट पर गीले निशान बन गए थे। उसके फ्लैट की बिल्डिंग आ गई थी। इस बिल्डिंग में उनके अलावा परिवार का कोई व्यक्ति नहीं रहता था। उस सिख परिवार जैसा परिवार उनका भी हो सकता था।लेकिन ऐसा हो नहीं सका। सिख बुजुर्ग की बर्थडे पार्टी में तो चार पीढ़ियों के सभी सदस्य मौजूद थे, लेकिन उसके यहां सुख तो दूर दुःख के समय भी एक ही शहर में रहते हुए दो पीढ़ी के सभी सदस्य साथ नहीं होते थे। रिश्ते में संवेदनाओं की कमी और निजी स्वार्थ के चलते सभी अपने - अपने परिवार में ही रमे थे। गुजरते वक़्त के साथ उनके पारिवारिक रिश्ते में एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना और विश्वास नहीं रहा था। उसे अपने कानों में बुजुर्ग सिख के परिवारजनों द्वारा गाये गए बर्थडे सॉंग और उनकी तालियों की गड़गड़ाहट की गूंज अभी भी सुनाई दे रही थी।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

तादात्म्य

प्रकृति के चौरासी लाख प्राणियों में एक अदृश्य तादात्म्य है। इस तादात्म्य को हर सजीव अनुभव करता है। इस अनुभूति की तीव्रता परिवेश के आधार पर कम या अधिक हो सकती है। इस तादात्म्य से जुड़ी कुछ घटनाओं का स्मरण हो रहा है।

उस दिन दर्शन के बाद मैं मंदिर से बाहर निकला। सीढ़ियों पर बैठकर जूते के फीते बाँध रहा था। स्पोर्ट्स शूज़ थे, फलत: फीते अधिक लंबे थे और बाँधने की प्रक्रिया में कुछ समय लग रहा था। एक जूता बाँधने के बाद गरदन ऊपर उठाई तो देखता हूँ कि भूरे रंग का एक श्वान मुश्किल से एक हाथ की दूरी पर आकर खड़ा है। अपनी बड़ी-बड़ी आँखों से मुझे निशब्द देख रहा है। मैंने उसकी आँखों में तैर रहे भावों को पढ़ने का प्रयास किया। फिर स्नेह से पूछा, क्या बात है? कोई परेशानी है? वह और निकट आया और अपना चेहरा मेरे घुटनों के पास रगड़ने लगा। मेरे घुटनों के नीचे अपना सिर डालने का प्रयास करने लगा। मैंने प्रेम से उसे अपने पास लिया। उसके चेहरे के बाएँ हिस्से को कुछ देर सहलाया। वह पूँछ हिलाते हुए उसका आनंद लेता रहा।

फिर उससे कहा कि अब दाईं तरफ का चेहरा ला। भाषा से अधिक भाव और संकेत समझ में आते हैं।अब उसके चेहरे का दायाँ भाग सहलाया गया। उसकी पीठ थपकाई और थपथपाई भी। उसकी आँखों में कृतज्ञता के भाव थे। मैंने कहा, तेरा काम हो गया न! अब जा। वह थोड़ी दूर जाकर बैठ गया।

तादात्म्य का ऐसा ही अनुभव प्रचंड ट्रैफिक वाली एक सड़क को पार करते समय आया था। ट्रैफिक कम होने की प्रतीक्षा में जब मैं खड़ा था, मेरे साथ आकर एक श्वान खड़ा हो गया। हम दोनों की आँखें मिली। केवल आँखें मिलने तक मामला नहीं रुका। उसने मेरे साथ कदमताल की और सड़क पार हो गया।

अनुभवों की शृंखला में किसी शिकारी प्रजाति-सी खूँखार दिखती पूरी काली देह और उसमें काँच-सी चमकती पीली आँखों वाली बिल्ली भी याद हो आई। पार्क और एक सरकारी पाठशाला के बीच की साझा दीवार के पास बैठी वह मेरे इर्द-गिर्द चक्कर काटने लगी थी। फिर उछल-उछल कर म्याऊँ-म्याऊँ कर अपने पंजे मेरे पैरों पर टिका कर कुछ कहने लगी। उसके उछलने से मैंने अनुमान लगाया कि वह उस ऊँची दीवार पर जाना चाहती है। संभव है कि उस पार उसके बच्चे हों। मैंने उसे पुचकार कर धीरे से उठाकर दीवार पर बैठा दिया। उसकी म्याऊँ-म्याऊँ में अब धन्यवाद का भाव था।

प्रसिद्ध साहित्यकार अनातोले फ्रांस ने कहा था कि मनुष्य की आत्मा का एक अंश तब तक सुप्तावस्था में रहता है, जब तक वह किसी पशु या पक्षी से प्रेम नहीं करता। बिल्ली विशेषज्ञ पशु चिकित्सक डॉ. लुईस जे कम्युटी ने लिखा है, बाई लविंग एंड अंडरस्टैंडिंग एनिमल्स, परहेप्स वी ह्यूमेन शेल कम टू अंडरस्टैंड ईच-अदर। पशुओं से स्नेह करना और उन्हें समझना, हमें एक-दूसरे को व्यापक स्तर पर समझने में सहायक होता है।

प्रकृति के जीवों में परस्पर तादात्म्य के मूल में एक समान आवश्यकताएँ रही होंगी। यह तादात्म्य एक-दूसरे के प्रति संवेदना जगाता है, करुणा उपजाता है। साथ ही एक प्राणी द्वारा दूसरे प्राणी पर हमला करने पर अपनी सुरक्षा का भाव या प्रत्याक्रमण भी उतने ही तेजी से जगाता है। जो भी हो लेकिन प्रकृति के विशाल और विस्तृत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मनुष्य का तादात्म्य उसे असीम आनंद और विशेष दृष्टि प्रदान करता है। इस दृष्टि पर अपने-अपने अनुभव के आधार पर हरेक का अलग-अलग मत हो सकता है। तथापि मत-मतांतर के परे यदि 'वसुधैव कुटुम्बकम' का भाव जाग्रत रहे तो जगत अधिक सुंदर और अधिक आत्मीय बन सकता है।

बोध कथा

बिल्ली का न्याय

एक जंगल में विशाल वृक्ष के तने में एक खोल के अन्दर कपिंजल नाम का तीतर रहता था । एक दिन वह तीतर अपने साथियों के साथ बहुत दूर के खेत में धान की नई-नई कोंपलें खाने चला गया।

बहुत रात बीतने के बाद उस वृक्ष के खाली पड़े खोल में 'शीघ्रगो' नाम का खरगोश घुस आया और वहीं रहने रहने लगा।

कुछ दिन बाद कपिंजल तीतर अचानक ही आ गया । धान की नई-नई कोंपले खाने के बाद वह खूब मोटा-ताजा हो गया था । अपनी खोल में आने पर उसने देखा कि वहाँ एक खरगोश बैठा है । उसने खरगोश को अपनी जगह खाली करने को कहा ।

खरगोश भी तीखे स्वभाव का था; बोला ----यह घर अब तेरा नहीं है । वापी, कूप, तालाब और वृक्ष के घरों का यही नियम है कि जो भी उनमें बसेरा करले उसका ही वह घर हो जाता है । घर का स्वामित्व केवल मनुष्यों के लिये होता है , पक्षियों के लिये गृहस्वामित्व का कोई विधान नहीं है ।

झगड़ा बढ़ता गया । अन्त में, कर्पिजल ने किसी भी तीसरे पंच से इसका निर्णय करने की बात कही । उनकी लड़ाई और समझौते की बातचीत को एक जंगली बिल्ली सुन रही थी। उसने सोचा, मैं ही पंच बन जाऊँ तो कितना अच्छा है; दोनों को मार कर खाने का अवसर मिल जायगा ।

यह सोच हाथ में माला लेकर सूर्य की ओर मुख कर के नदी के किनारे कुशासन बिछाकर वह आँखें मूंद बैठ गयी और धर्म का उपदेश करने लगी। उसके धर्मोपदेश को सुनकर खरगोश ने कहा---यह देखो ! कोई तपस्वी बैठा है, इसी को पंच बनाकर पूछ लें ।

तीतर बिल्ली को देखकर डर गया; दूर से बोला----मुनिवर ! तुम हमारे झगड़े का निपटारा कर दो । जिसका पक्ष धर्म-विरुद्ध होगा उसे तुम खा लेना । यह सुन बिल्ली ने आँख खोली और कहा--- राम-राम ! ऐसा न कहो । मैंने हिंसा का नारकीय मार्ग छोड़ दिया है । अत: मैं धर्म-विरोधी पक्ष की भी हिंसा नहीं करूँगी । हाँ, तुम्हारा निर्णय करना मुझे स्वीकार है । किन्तु, मैं वृद्ध हूँ; दूर से तुम्हारी बात नहीं सुन सकती, पास आकर अपनी बात कहो । बिल्ली की बात पर दोनों को विश्वास हो गया; दोनों ने उसे पंच मान लिया, और उसके पास आ गये । उसने भी झपट्टा मारकर दोनों को एक साथ ही पंजों में दबोच लिया ।

वीर गाथा

सिपाही रविकांत ठाकुर : भारत मां का शेर, जख्मी होकर भी 3 आतंकवादियों को कर गया ढेर

सिपाही रविकांत ठाकुर का जन्म 12 जून, 1982 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा ज़िले के गोपालपुर गांव में हुआ था। वे स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें डोगरा रेजिमेंट की 5वीं बटालियन में शामिल किया गया था। रविकांत अपने कर्तव्य के लिए समर्पित थे। उनकी वीरता और साहस को देखते हुए उन्हें 11 राष्ट्रीय राइफल्स में भेज दिया गया। यह बटालियन जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ अपने सैन्य अभियानों के लिए जानी जाती है।

साल 2010 में, सिपाही रविकांत अपनी यूनिट के साथ किश्तवाड़ ज़िले में तैनात थे। यहां एलओसी पास होने के कारण आतंकवादियों की घुसपैठ का खतरा रहता है। पाकिस्तानी फौज गोलीबारी कर घुसपैठ में आतंकवादियों की मदद करती है। चार फरवरी को सुरक्षा बलों को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि भारी हथियारों से लैस कुछ आतंकवादी एलओसी के इस पार आने वाले हैं। सूचना मिलते ही 11 आरआर ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। रविकांत भी उस टीम में शामिल थे।

जवानों ने आतंकवादियों का पता लगा लिया। उन्होंने चुनौती दी तो आतंकवादियों ने गोलीबारी की। इसके साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गई। गोलीबारी के बीच रविकांत ने असाधारण साहस दिखाया।

उन्होंने अपने साथी जवानों के साथ मिलकर इतना जबरदस्त धावा बोला कि तीन आतंकवादी वहीं ढेर हो गए। इस दौरान सिपाही रविकांत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वे देश के लिए वीरगति को प्राप्त हो गए। उन्होंने मुठभेड़ के दौरान वीरता और बलिदान की मिसाल कायम की, जिसके लिए देशवासी उन्हें नमन करते हैं। सिपाही रविकांत ठाकुर को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एआई इंसान की मदद कर सकता है, उसकी जगह नहीं ले सकता: सुभाष घई

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सीनियर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने एक बार फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर अपने विचार शेयर किए। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एआई लोगों के कई काम आसान कर देगा, लेकिन असली सफलता उन्हीं लोगों को मिलेगी, जो अपनी क्रिएटिविटी और इमोशनल इंटेलिजेंस को जीवित रखेंगे। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''एआई भविष्य में लोगों के अधिकतर मानसिक और बौद्धिक कार्यों को संभाल सकता है, लेकिन वह इंसान के भीतर मौजूद मानवीय गुणों की जगह नहीं ले सकता।

भविष्य उन्हीं लोगों का होगा जो अपने भीतर की क्रिएटिविटी को लगातार मजबूत करते रहेंगे। म्यूजिक, पोएट्री, पेंटिंग, कम्युनिकेशन, कोलेबोरेशन और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे गुण इंसानों को मशीनों से अलग बनाते हैं।''

सुभाष घई ने आगे कहा, ''एआई से केवल जानकारी हासिल करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस जानकारी को भावनाओं और रचनात्मकता के साथ जोड़ना भी जरूरी है। जब कोई व्यक्ति कला, साहित्य और मानवीय मूल्यों से जुड़ा रहता है, तभी वह समाज के लिए बेहतर योगदान दे सकता है और दूसरों की मदद करने की भावना विकसित कर सकता है।''

बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब सुभाष घई ने एआई को लेकर अपनी राय रखी हो। वह इस विषय पर अपने विचार साझा करते रहते हैं। उनका मानना है कि एआई एक ताकतवर टेक्नोलॉजी है, लेकिन इसे इंसान की रचनात्मकता का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। कहानियां, भावनाएं और कल्पनाएं इंसानी दिमाग से जन्म लेती हैं, और इन्हें पूरी तरह किसी मशीन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

सुभाष घई ने एक पोस्ट के जरिए कहा था कि समय के साथ पीढ़ियां बदलती हैं, टेक्नोलॉजी बदलती है और लोगों के सोचने का नजरिया भी बदलता रहता है। हालांकि, इन सभी बदलावों के बीच एक चीज स्थायी रहती है, और वह है इंसान की रचनात्मक सोच। एआई इंसानी बुद्धिमत्ता की ही देन है और उसका उद्देश्य इंसान की मदद करना है।

भारत और चीन दो सहस्राब्दियों से ज्ञान एवं संवाद की विरासत साझा करते हैं : भारतीय राजदूत

बीजिंग/भाषा। चीन में भारतीय राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने कहा है कि दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से भाषाओं का पारस्परिक ज्ञानवर्धन और विचारों का आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच संबंधों की एक परिभाषित विशेषता रहा है।

पिछले महीने चीन में भारत के राजदूत के रूप में पदभार संभालने वाले दुरईस्वामी ने शुक्रवार को 'बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी' (बीएफएसयू) का दौरा किया, जहां उन्होंने व्याख्यान दिया तथा छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।

चीन में विदेशी भाषाओं के प्रमुख संस्थान 'बीएफएसयू' में तमिल, हिंदी, बंगाली, संस्कृत और उर्दू सहित 102 भाषाओं के पाठ्यक्रम हैं। इसने हाल ही में अपने पाठ्यक्रमों की सूची में पंजाबी को भी शामिल किया है।

ये भाषाएं मुख्य रूप से चीनी छात्रों के साथ-साथ राजनयिकों और अधिकारियों को सिखाई जाती हैं।

धाराप्रवाह मंदारिन बोलने वाले दुरईस्वामी ने अपने व्याख्यान के दौरान इस बात पर प्रकाश डाला कि का पारस्परिक ज्ञानवर्धन और विचारों का आदान-प्रदान दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से भारत-चीन संबंधों की एक परिभाषित विशेषता रहा है।

बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मौर्य काल से लेकर आधुनिक युग तक के उदाहरणों का हवाला देते हुए, दुरईस्वामी ने बताया कि कैसे दुनिया की दो सबसे पुरानी सभ्यताओं के बीच आदान-प्रदान ने ज्ञान, दर्शन, कलात्मक परंपराओं, प्रौद्योगिकी और नवाचार को साझा करने के माध्यम से दोनों समाजों को समृद्ध किया।

इसमें कहा गया, राजदूत ने इस बात पर जोर दिया कि ऐतिहासिक रूप से इस तरह की बातचीत से पारस्परिक लाभ प्राप्त हुआ है।

सिंगापुर ने भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट पर रोक लगायी

सिंगापुर/भाषा

सिंगापुर सरकार ने शनिवार को तीन सोशल मीडिया मंचों को भारतीय समुदाय को लक्षित करने और देश के 'बहुसांस्कृतिक मॉडल को कमजोर' करने वाले 14 पोस्ट को हटाने का आदेश दिया है।

ये पोस्ट संभवत चीन से किये गये हैं।

गृहमंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम (ओसीएचए) के तहत निर्देश जारी कर 'यूट्यूब', 'फेसबुक' और 'एक्स' पर मौजूद इन पोस्ट को हटाने का निर्देश जारी किया है।

सिंगापुर की 60 लाख से अधिक की आबादी में से 75 प्रतिशत चीनी मूल के हैं, 15 प्रतिशत मलय मूल के हैं तथा सात से नौ प्रतिशत भारतीय मूल के हैं। शेष अन्य मूल के हैं।

बयान के अनुसार सोशल मीडिया मंचों से कहा गया है कि वे सभी जरूरी कदम उठाए ताकि सिंगापुर के उपयोगकर्ताओं को वे (पोस्ट) नजर नहीं आयें।

गृह मामलों के राज्य मंत्री एडविन टोंग ने शनिवार को एक सामुदायिक कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि अब तक मिली जानकारी के अनुसार, यह सामग्री विदेश से आई है।

'चैनल न्यूज एशिया' की शनिवार की खबर के अनुसार इन पोस्ट में मौजूद आपत्तिजनक सामग्री की जांच से पता चला है कि ये संभवतः चीन स्थित एक मंच से उत्पन्न हुए और बाद में अन्य मंचों और वेबसाइटों ने उन्हें साझा किया।

चैनल ने टोंग के हवाले से कहा, ये वीडियो हमारे बहुजातीय समाज पर हमला करते हैं और नस्ल के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश करते हैं। यह हमारी पहचान नहीं है। सिंगापुर में हर समुदाय का सम्मान किया जाता है और सभी का समान स्थान है।

टोंग ने कहा कि सरकार सिंगापुर के नस्लीय सद्भाव को कमजोर करने वाली किसी भी बात को बर्दाश्त नहीं करती।

ट्रंप ने भेदिया कारोबार के दोषी पूर्व रिपब्लिकन सांसद को क्षमादान दिया

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इंडियाना के पूर्व रिपब्लिकन सांसद स्टीफन बायर को क्षमादान का आदेश जारी किया है, जिन्होंने पद छोड़ने के बाद अंदरूनी जानकारी के आधार पर अवैध शेयर कारोबार करने के आरोप में लगभग दो साल जेल में बिताए थे। बायर को 2023 में सलाहकार और लॉबिस्ट के रूप में काम करते हुए किए गए लेन-देन के लिए 22 महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उसे अवैध रूप से कमाए गए 3,50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि जब्त करने और 10,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया था।

मनोज बाजपेयी ने बताई फिल्म 'गवर्नर' की खासियत

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा के दमदार अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'गवर्नर' को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता का मानना है कि यह फिल्म देश के आर्थिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसे हर पीढ़ी को जरूर देखना चाहिए। प्रमोशन के दौरान को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि आखिर क्यों यह फिल्म युवाओं के लिए एक सीख साबित हो सकती है। उन्होंने अपनी तैयारी, रिसर्च और फिल्म की कहानी के पीछे छिपे बड़े मैसेज पर भी खुलकर बात की। से बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, ''आज के समय में युवा जिस भारत को देख रहे हैं, वह हमेशा ऐसा नहीं था। एक समय ऐसा भी था जब देश की आर्थिक स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण थी। आज लोगों के पास जो सुविधाएं हैं, बाजार में जो विकल्प मौजूद हैं और जीवनशैली में जो बदलाव दिखाई देते हैं, उनके पीछे कई बड़े आर्थिक फैसले और सुधारों की लंबी प्रक्रिया रही है। नई पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि देश किस तरह कठिन दौर से निकलकर आज यहां तक पहुंचा है।'' उन्होंने कहा, ''फिल्म युवाओं को उस दौर की झलक दिखाएगी, जब भारत में आज जैसी आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं, बड़े-बड़े शॉपिंग सेंटर नहीं थे, विदेशी उत्पाद आसानी से उपलब्ध नहीं थे और जीवन काफी अलग था। हम उस समय की बात कर रहे हैं जब लोगों के पास विकल्प सीमित थे और देश आर्थिक बदलावों के दौर से गुजर रहा था।'' मनोज बाजपेयी ने उदाहरण देते हुए कहा कि 1992 का दौर आज की पीढ़ी के लिए किसी इतिहास की किताब जैसा लग सकता है। उस समय क्रिकेट मैचों का प्रसारण भी लोगों के लिए एक बड़ी बात हुआ करता था। मनोरंजन, बाजार और तकनीक के क्षेत्र में आज जितनी तेजी दिखाई देती है, उस समय ऐसा माहौल नहीं था। यह फिल्म दर्शकों को देश के इतिहास और आर्थिक बदलावों के बारे में भी जानकारी देगी।

फिल्म 'गवर्नर' की कहानी एस. वेंकटरमणन से प्रेरित बताई जा रही है। वह उस समय भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर थे, जब देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। उस दौर में देश की अर्थव्यवस्था को संभालने और वित्तीय व्यवस्था को स्थिर बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। फिल्म इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को बड़े पर्दे पर दिखाने की कोशिश करती है। फिल्म 'गवर्नर' को सनसाइन पिक्चर्स प्रस्तुत कर रही है। इसका निर्माण विपुल अमृतलाल शाह और निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्यजी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल शाह ने मिलकर लिखी है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं चुप नहीं बैठूंगी और न्याय के लिए लड़ती रहूंगी : सेलिना जेटली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सेलिना जेटली एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पति पीटर हाग से तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब उन्होंने अपने पति और ससुर की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा बयान जारी करते हुए कहा कि वह किसी भी तरह की कानूनी धमकी या दबाव के आगे झुकने वाली नहीं हैं। वह अपने बच्चों, अपने अधिकारों और न्याय के लिए यह लड़ाई जारी रखेंगी। शुक्रवार को सेलिना जेटली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया। उन्होंने उन कानूनी नोटिसों का जवाब दिया, जो हाल ही में उनके पति पीटर हाग और उनके ससुर वोल्फगैंग हाग की ओर से भेजे गए हैं। नोटिस में अभिनेत्री पर मानहानि करने का आरोप लगाया गया है और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है, हालांकि सेलिना ने बताया कि उन्होंने अपने लीगल रिप्रजेंटेटिव के जरिए इन नोटिसों का जवाब दे दिया है। अभिनेत्री ने कहा, ''कई साल तक हमारे परिवार से जुड़ी पब्लिसिटी को बढ़ावा दिया जाता रहा, जिसमें मैगजीन कवर, इंटरव्यू और परिवार से जुड़े कई आर्टिकल्स में शामिल होते रहे हैं, लेकिन अब जब मैंने अपनी निजी परेशानियों, कानूनी संघर्ष और एक मां के रूप में अपनी चिंताओं के बारे में बात करनी शुरू की, तो मुझे जवाब देने के बजाय कानूनी नोटिस भेजे गए। ये बच्चे मेरे भी हैं, मैं उनकी मां हूं और मैं उनके लिए यह लड़ाई जारी रखूंगी।''

सेलिना जेटली ने आगे कहा, ''मैं हमेशा से ज्वाइंट कस्टडी और आपसी सहमति से तलाक के पक्ष में रही हूं। मैंने कई बार शांतिपूर्ण समाधान की कोशिश की, लेकिन कोर्ट के ऑर्डर होने के बावजूद मैं अपने बच्चों से बात नहीं कर पा रही हूं। लगातार मुझे अपने बच्चों से दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।''

अपने बयान में सेलिना ने बच्चों को लेकर अपनी चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''मुझे डर है कि बच्चों को उनकी जानकारी और सहमति के बिना ऑस्ट्रिया और भारत की अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर ले जाया जा सकता है। एक मां होने के नाते यह मेरा अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है कि मैं ऐसी चिंताओं को पब्लिकली उठाऊं और अपने बच्चों के हितों की रक्षा करूं।''

इससे पहले पीटर हेग और उनके पिता की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिसों में कहा गया था कि इस मामले में सार्वजनिक रूप पर लगाए गए आरोप उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका असर बच्चों पर पड़ सकता है। हालांकि सेलिना जेटली का कहना है कि ऐसा करके उन्हें बदनाम करने, डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है।

शुभारंभ

हैदराबाद में शनिवारको डीजीपी कार्यालय में तेलंगाना पुलिस के महिला सुरक्षा विंग द्वारा 'स्त्री राइड' महिला ड्राइवर आजीविका परियोजना के शुभारंभ के दौरान वाहन चलातीं महिलाएं।

भारत में खान-पान मिलावट की सच्चाई को उजागर करती फिल्म द इंडिया स्टोरी का प्रोमो हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और एमआईजी प्रोडक्शंस एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से बनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' का दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाला प्रोमो रिलीज कर दिया गया है। 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही यह फिल्म आज देश के करोड़ों लोगों को प्रभावित करने वाले एक गंभीर लेकिन अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले मुद्दे, खाद्य मिलावट पर प्रकाश डालती है। गंभीर विषय पर आधारित इस फिल्म में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।गौरतलब है कि फिल्म का यह प्रभावशाली प्रोमो हमारे घरों तक पहुंचने वाले खाने की गुणवत्ता और सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। रासायनिक पदार्थों से तैयार की गई सब्जियों और फलों से लेकर दूषित डेयरी उत्पादों और मिलावटी खाद्य सामग्री तक, 'द इंडिया स्टोरी' दिखाती है कि कैसे मुनाफे की दौड़ में लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है।

दमदार विजुअल्स और प्रभावशाली कहानी के जरिए फिल्म यह उजागर करती है कि खाद्य मिलावट किस तरह गंभीर बीमारियों, लंबे समय तक रहने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मौतों का कारण बन सकती है।

एक सामाजिक रूप से प्रासंगिक और मजबूत विषय पर आधारित यह फिल्म केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने और लोगों के बीच जरूरी बातचीत शुरू करने का प्रयास भी करती है। हाल ही में रिलीज़ किया गया यह प्रोमो दर्शकों को ऐसी कहानी की झलक देता है, जो असहज सच्चाइयों को सामने लाती है, व्यवस्था पर सवाल उठाती है और लोगों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर वे रोज क्या खा रहे हैं? काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े के दमदार अभिनय से सजी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक चेतावनी है, जो समाज को प्रभावित कर रहे इस बढ़ते संकट पर रोशनी डालती है।

यह फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश देने का वादा भी करती है, जिससे दर्शक जागरूक और सतर्क रह सकें।

फिल्म के सह-निर्माता स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी हैं। फिल्म के सिनेमैटोग्राफर निशांत भगवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, गीतकार शकील आज़मी, एडिटर आशीष म्हात्रे, और साउंड डिजाइनर अनमोल भावे हैं। 'द इंडिया स्टोरी' हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी। यह ज़ी स्टूडियोज़ की वर्ल्डवाइड रिलीज़ होगी।

धरती सिर्फ रहने की जगह नहीं, हमारी सबसे बड़ी विरासत : भूमि पेडनेकर

मुंबई/एजेन्सी

विश्व पर्यावरण दिवस पर बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। वीडियो में वह नदी किनारे बैठकर चेहरा धोती हुई दिख रही है। वहीं तस्वीर में वह एक पेड़ को गले

लगाती नजर आ रही हैं। इसके अलावा कुछ तस्वीरों में एक्ट्रेस प्राकृतिक वातावरण के बीच समय बिताती दिखाई दे रही हैं। भूमि ने कैप्शन में लिखा, ''मैंने जीवन से यह सीखा है कि धरती हमसे बहुत ज्यादा कुछ नहीं मांगती, बल्कि केवल थोड़ी सी दयालुता और सम्मान चाहती है। नदियां हमारी प्यास बुझाती हैं, लेकिन कभी अपनी तारीफ की उम्मीद नहीं करतीं। जंगल हमें जीवन के लिए जरूरी सांसें देते हैं, लेकिन कभी इसके बदले में पहचान या सम्मान नहीं मांगते। पहाड़ सदियों से मजबूती के साथ खड़े रहते हैं और बिना किसी शिकायत के प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं।'' भूमि पेडनेकर ने कहा, ''हर सुबह का सूर्योदय हमें एक महत्वपूर्ण बात याद दिलाता है कि इंसान प्रकृति का हिस्सा है, जबकि अक्सर लोग यह सोचने लगते हैं कि प्रकृति केवल उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए है। अब यह सोच बदलने की जरूरत है। केवल पर्यावरण के प्रति जागरूक होना ही काफी नहीं है, बल्कि अब वास्तविक कदम उठाने का समय आ गया है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''लोगों को प्रकृति से लेने की आदत छोड़कर उसे कुछ लौटाने की भी कोशिश करनी चाहिए। सुविधा और स्वार्थ के बजाय जिम्मेदारी और जागरूकता को अपनाएं। अगर हर व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव भी करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।'' अपने पोस्ट के आखिर में भूमि पेडनेकर ने धरती को मानवता की सबसे बड़ी विरासत बताया। उन्होंने कहा, ''पृथ्वी केवल वह जगह नहीं है जहां हम रहते हैं, बल्कि यह हमारा सबसे पुराना घर है। यह हमारी सबसे बड़ी विरासत है। आने वाली पीढ़ियों के लिए इस धरती को बेहतर स्थिति में छोड़कर जाना चाहिए। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण की रक्षा करें और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाली आदतों को कम करें।''

'डफली वाले' देखते ही भावुक हो जाती हूं, ऋषि कपूर को याद कर बोलीं करिश्मा कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने अपने चाचा और दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के मशहूर गीत 'डफली वाले' को याद करते हुए बचपन की यादें ताजा कीं। उन्होंने बताया कि बचपन में वह इस गाने को देखने के लिए कई बार थिएटर गई थीं। डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में जज की भूमिका निभा रहीं करिश्मा कपूर ने इस गाने की विरासत को याद करते हुए कहा, ''ये गाना मैंने बचपन में मेट्रो सिनेमा में जाकर बहुत बार देखा है। जब भी मैं यह गाना देखती हूं तो भावुक हो जाती हूं, क्योंकि मुझे चिंटू अंकल की याद आती है। इस गाने में उन्होंने जिस तरह डफली बजाई है, वह आज भी यादगार है।'' शो में उनके साथ जज की भूमिका निभा रहे अभिनेता और डांसर जावेद जाफरी ने कहा, ''मैं ऋषि साहब का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। बहुत कम कलाकार ऐसे होते हैं जो स्क्रीन पर किसी वाद्य यंत्र को इतने विश्वास के साथ बजाते हुए दिखते हैं। 'डफली वाले' गाने में ऋषि साहब जिस तरह डफली बजाते हैं, उसे देखकर लगता है कि वह सचमुच इसे बजाना जानते हैं।''यह चर्चा तब हुई, जब प्रतियोगी गीतांजलि ने 1979 की सुपरहिट फिल्म 'सरगम' के मशहूर गीत 'डफली वाले' पर प्रस्तुति दी।इस गाने में ऋषि कपूर और जया प्रदा नजर आए थे। गीत को लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी थी।गाने का संगीत प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने तैयार किया था।

कर्नाटक में कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक ऑफिस पहुंचना अनिवार्य

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की समय की पाबंदी सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब सभी कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक अपने कार्यालय पहुंचना और 'कर्तव्य' मोबाइल ऐप के माध्यम से हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस नए नियम का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यसचिव डॉ. शालिनी रजनीश की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि यह निर्देश मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा 4 जून को हुई उच्चस्तरीय बैठक में दिए गए सख्त निर्देशों के आधार पर जारी किया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकारी कार्यालयों में अनियमितता और देर से आने की समस्या पर गहरी चिंता जताई थी। आदेश के अनुसार, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी से लेकर जिला स्तर के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को रोजाना 'कर्तव्य' ऐप पर चेक-इन और चेक-आउट दर्ज करना होगा। ऐप के जरिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। ई-गवर्नेंस विभाग ने एक उन्नत एआई-आधारित सिस्टम विकसित किया है, जो स्वतः उन कर्मचारियों की जिले-वार और कार्यालय-वार रिपोर्ट तैयार करेगा जिन्होंने सुबह 10 बजे तक हाजिरी नहीं लगाई। यह रिपोर्ट संबंधित विभाग के प्रमुखों को ऑटोमैटिक रूप से भेज दी जाएगी।

जो अधिकारी आधिकारिक दौरे या फील्ड ड्यूटी पर जाते हैं, उन्हें ऐप में 'आउट ऑफ ऑफिस ड्यूटी' (ओओडी) विकल्प चुनना होगा। उनकी हाजिरी की पुष्टि संबंधित सुपरवाइजरी अधिकारी करेंगे। विभाग प्रमुखों को 'कर्तव्य' डैशबोर्ड के माध्यम से रोजाना हाजिरी रिपोर्ट की समीक्षा करनी होगी और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह कदम राज्य सरकार के कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बेलंदूर में हुआ तेजराज शर्मा का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं उद्यमी तेजराज शर्मा के बेलंदूर आगमन पर स्थानीय समाज बंधुओं तथा व्यापारियों ने उनसे मुलाकात कर सम्मान किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तेजराज शर्मा ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए संगठन, शिक्षा, रोजगार और युवा नेतृत्व अत्यंत आवश्यक है। युवाओं को लक्ष्य आधारित कार्य करते हुए शिक्षा, तकनीकी क्षेत्र और स्वरोजगार में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही विकास और नई उपलब्धियों की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इस सम्मान अवसर पर समाज के कई लोग उपस्थित थे।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने मुमुक्षु सुमन का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा शुक्रवार को मुमुक्षु सुमन बाई का सम्मान समारोह तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष महिमा पटावरी ने दीक्षार्थी का स्वागत करते हुए आध्यात्मिक जीवन में सतत आगे बढ़ाने हेतु शुभकामनाएं दी। दीक्षार्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जैन दीक्षा सांसारिक मोह, माया, त्याग कर आध्यात्मिक जीवन अपनाने की पवित्र प्रक्रिया है।

मुझे गुरुदेव की दृष्टि प्राप्त हुई और जब गुरु का हाथ अपने सिर पर हो तो कठिन से कठिन बाधाएं भी पार हो जाती हैं। आज मैं अनेक विपरीत परिस्थितियों को पार करते हुए यहां तक पहुंची हूँ, यह गुरु के प्रति मेरी श्रद्धा का ही प्रतिफल है। पूर्व अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने बताया कि दीक्षार्थी के पति मुनि रमणीक कुमार जी और पुत्री साध्वीश्री प्रणवप्रभाजी भी तेरापंथ संघ में दीक्षित होकर चरित्र का पालन कर रहे हैं।

इस मौके पर सभा के अध्यक्ष भंवरलाल मांडोत, युवक परिषद के अध्यक्ष विकास बांठिया एवं अन्य ने दीक्षार्थी के प्रति अपनी मंगलकामनाएं व्यक्त की। महिला मंडल एवं तेरापंथी सभा द्वारा मुमुक्षु सुमन का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंडल की करीब 50 सदस्याएं उपस्थित थीं।

रुद्राक्ष पौधा

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने लोक भवन परिसर में रुद्राक्ष का पौधा लगाया। इस अवसर पर राज्यपाल ने जनता से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में सामूहिक योगदान के रूप में प्रकृति का पोषण करने की अपील की।

भावसहित भक्ति में बड़ी शक्ति होती है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शूले स्थित महावीर जैन स्थानक भवन में प्रवचन देते हुए शनिवार को पंडित ज्ञानमुनिजी ने कहा कि भक्ति में बड़ी शक्ति होती है लेकिन भक्ति, उच्चारण के साथ साथ भाव सहित होनी चाहिए। जैनाचार्य श्रीमान तुंगजी का उदाहरण देते हुए बताया कि आदिनाथ ऋषभदेव की भक्ति करते हुए उनकी 48 बेड़ियां टूट गई, क्योंकि उनकी भक्ति में शुद्ध भाव व श्रद्धा थी। प्रवचन के पश्चात श्रावक-श्राविकाओं द्वारा नवकार मंत्र का जाप और भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ हुआ। प्रवचन सभा में शूले संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी सहित अनेक संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

मायुमं सेन्ट्रल ने गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं अधिक मास के उपलक्ष्य में कोरमंगला स्थित अखिल कर्नाटक प्राणी दया संघ गौशाला में गौ सेवा एवं जल सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा एक विशेष पहल के अंतर्गत पक्षियों एवं पशुओं के लिए नियमित जल व्यवस्था करने के लिए 50 सीमेंट के जलपात्र (बाउल्स) सदस्यों को वितरित किए। इस मौके पर मंच सेंट्रल के अध्यक्ष आयुष भीमसरिया, सचिव विष्णु, कोषाध्यक्ष विनायक बजाज, पूर्व अध्यक्ष गौतम लोहिया, अंकुर केड़िया, विक्रम टेनवाला, पवन केजरीवाल आदि ने गौशाला में गायों को हरी घास, सब्जियां, फल व गुड़ खिलाकर गौपूजा व जीवदया कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने गौशाला प्रबंधन के साथ संवाद कर गौ संरक्षण एवं पशु कल्याण के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

हुब्बल्ली के शांतिनिकेतन इंग्लिश मीडियम स्कूल घंटीकेरी में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शनिवार को मंडल के अध्यक्ष भंवरलाल जैन, सचिव भरत भंडारी, निदेशक सोहन तातेड़ की उपस्थिति में स्कूल परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने पदाधिकारियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया तथा स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण हेतु सामूहिक शपथ ली।

पाकिस्तानी हैंडलर से संबंध रखने के आरोप में दो व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। तुमकुरु पुलिस ने शुक्रवार को श्रीरामनगर निवासी अल्लाबाकाश (23) और दावणगेरे के राजमिस्त्री जमीर खान (23) को सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान स्थित एक व्यक्ति के साथ कथित तौर पर संपर्क बनाए रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि इन युवकों ने देश के खिलाफ अन्य लोगों को संगठित करने और विघटनकारी गतिविधियां करने का प्रयास किया था। पुलिस ने बताया कि ये लोग भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए हानिकारक गतिविधियों में शामिल थे। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तारियां की गईं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिली पुष्ट सूचनाओं के आधार पर तुमकुरु शहर पुलिस ने इस गिरोह का भंडाफोड़ किया। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान स्थित मोस्ट वांटेड आतंकवादी राणा उमर आरोपियों का हैंडलर था। आरोपियों के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर क्षेत्र में सफलतापूर्वक एक संगठित नेटवर्क बना रहा था।

पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई 4 जून को मिली सूचना के आधार पर शुरू की गई थी। क्याथासंद्रा पुलिस ने अल्लाबख्श के मोबाइल फोन की जांच की। पूछताछ के दौरान, पुलिस को पता चला कि वह कथित तौर पर इंस्टाग्राम के माध्यम से पाकिस्तान स्थित राणा भाई नामक व्यक्ति से हिंदी में बातचीत कर रहा था। जांचकर्ताओं ने बताया कि बातचीत में कथित तौर पर युवाओं को संगठित करने के प्रयास और देश में शांति भंग करने के उद्देश्य से विघटनकारी गतिविधियों को अंजाम देने से संबंधित चर्चाएं शामिल थीं। राणा वर्तमान में भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसियों द्वारा सबसे वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है।

जांचकर्ताओं के अनुसार, पाकिस्तान स्थित इस आतंकवादी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत के कई भोले-भाले युवाओं से संपर्क किया था और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए एक संगठन बनाने का प्रयास कर रहा था। जांच के आधार पर, तुमकुरु टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि ज़मीर खान गिरफ्तारी से पहले फरार था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मात्र 20 दिनों में हुई बातचीत की प्रकृति को देखते हुए गिरफ्तारी से कई गंभीर सवाल उठते हैं। जांच में पता चला है कि आरोपियों को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रभावित किया जा रहा था, जहां आतंकवादी ने कथित तौर पर समुदाय में एकता को बढ़ावा देने के बहाने सदस्यों को कट्टरपंथी बनाने का प्रयास किया।

पुलिस ने आगे बताया कि आरोपियों को एक बड़ी साजिश के तहत सुनियोजित तरीके से ब्रेनवाश किया गया था, जिसका अब खुलासा हो चुका है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए युवक साधारण थे और छोटे-मोटे काम करते थे। लगभग एक महीने पहले, वे कथित तौर पर इंस्टाग्राम के माध्यम से राणा के संपर्क में आए। बाद में, उन्होंने एक्स पर कई बार बातचीत की और अंततः एक व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ गए। जांचकर्ताओं ने बताया कि शुरुआत में राणा ने इस्लाम और पैगंबर की शिक्षाओं के बारे में संदेश साझा किए, लेकिन बाद में अधिक भड़काऊ तरीके से समूह में एकता को बढ़ावा देना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे चर्चा को देश के खिलाफ प्रतिशोध के विचारों की ओर मोड़ दिया।

जांच में यह भी पता चला कि राणा ने पुणे में एक मौलवी की हत्या का जिक्र किया और बदला लेने की बात कही। उसने कथित तौर पर ऐसे कृत्यों के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की और जोर दिया कि समुदाय को एकजुट रहना चाहिए और किसी को नहीं छोड़ना चाहिए। पुलिस को यह भी संदेह है कि राणा के देश के कई हिस्सों में अनुयायी हैं और उसने गिरफ्तार युवकों को अपने व्यापक नेटवर्क से परिचित कराया था। अधिकारियों ने कहा कि नेटवर्क के विस्तार और ऑनलाइन समन्वय की प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पौधारोपण आह्वान के तहत केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे ने शनिवार को मैसूरु के नजरबाद स्थित डाक विभाग प्रशिक्षण केंद्र परिसर में पर्यावरणप्रेमियों के साथ पौधारोपण किया। इस मौके पर पूर्व पार्षद एम.सतीश, गौतम सालेचा, प्रकाश माली आदि उपस्थित थे।

अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं के सातवें बैच की पासिंग आउट परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायुसेना स्टेशन जलाहल्ली में शनिवार को अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं के सातवें बैच की पासिंग आउट परेड हुई। कुल 3,146 अग्निवीरवायु ने 22 हफ़्ते का कड़ा प्रशिक्षण पूरा किया है। अब ये वायुसेना में शामिल होने के लिए तैयार हैं। हेडक्वार्टर ट्रेनिंग कमांड के सीटीटीओ एयर वाइस मार्शल अतुल लक्ष्मणदास गोलानी ने परेड के रिव्यूइंग ऑफिसर के तौर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने परेड में प्रशिक्षुओं द्वारा दिखाए गए अनुशासन की सराहना की। रिव्यूइंग ऑफ़िसर ने उन्हें बधाई दी और अलग-अलग श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को ट्रॉफ़ी देकर सम्मानित किया।

संचार प्रशिक्षण संस्थान के अग्निवीरवायु नागराज धूलप्पा चिंचाणे, इलेक्ट्रॉनिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रियांशु गुप्ता और इलेक्ट्रिकल एवं उपकरण प्रशिक्षण संस्थान के शैलेंद्र कुशवाह को 'बेस्ट ऑल राउंडर' चुना गया। रिव्यूइंग ऑफिसर ने परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता के महत्त्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने युवा योद्धाओं को लगातार सीखते रहने, नई चुनौतियों का सामना करने और लगातार बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल में हमेशा मिशन के लिए तैयार रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने अपने प्रशिक्षण का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल करने और प्रोफेशनल क्षेत्र में खास पहचान बनाने के लिए अपने काम में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए कहा। उन्होंने प्रशिक्षण संस्थानों और स्टेशन में प्रशिक्षण से जुड़े स्टाफ़ तथा सभी कर्मियों के प्रयासों की भी तारीफ की।

संसार में हर एक वस्तु का अपना महत्त्व होता है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजुनाथनगर स्थित जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि किसी वस्तु को महत्वहीन मानना, अनदेखा करना, कचरा समझकर ठुकरा देना, बिना उपयोग का मानना साक्षात ज्ञानी का अपमान करने के समान है। कोई भी वस्तु ऐसी नहीं है जो मूल्यवान नहीं होती, गुणों से रहित मानना यह हमारी दृष्टि का दोष है। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर ने कहा था कि प्रत्येक वस्तु में अनंत गुण और अनंत अच्छाइयां विद्यमान हैं। हीरे की कीमत जौहरी ही कर सकता है, अनाड़ी नहीं। हम ज्ञान न होने के कारण हीरे को पत्थर समझ कर उसको फेंक देते हैं और अपना नुकसान कर लेते हैं, लाभ से वंचित हो जाते हैं।

मुनिवर ने कहा कि जैसे साइकिल के ट्यूब का रबर दिखने में छोटा है परंतु पूरी साइकिल को गति प्रदान करता है वैसे ही किसी को छोटा मानना ज्ञानियों का अपमान करने के समान है। जैन संत ने कहा कि धरती की प्रत्येक वस्तु किसी न किसी रूप में व्यक्ति के विकास में नींव के पत्थर की भांति काम करती है। संतश्री ने कहा कि किसी का सम्मान न कर सको तो अपमान करने का आपको कोई अधिकार नहीं है। मेरे से सब महान हैं, मैं सबसे महत्वहीन हूं ऐसा सोचने वाला ही सच्चा ज्ञानी होता है।

विश्व पर्यावरण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के यलहंका स्थित रेल व्हील फैक्ट्री (आरडब्ल्यूएफ) ने बड़े उत्साह के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। यह आयोजन पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों के उस पखवाड़े का समापन था जो कई दिनों से चल रही थीं। 5जून को आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में फैक्ट्री के महाप्रबंधक मनोरंजन प्रधान मुख्य अतिथि थे। प्रधान ने पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ पहलों और आरडब्ल्यूएफ के लिए भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। एक बड़ी पर्यावरणीय पहल के तहत, संस्थान ने लगभग 35,000 पौधों के साथ एक मियावाकी वन विकसित किया है, जो कार्बन सोखने, जैव विविधता को बढ़ाने और फैक्ट्री परिसर के भीतर एक हरित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में योगदान दे रहा है।

केरल में भारी बारिश से जलभराव

तिरुवनंतपुरम। केरल के विभिन्न हिस्सों में रात भर हुई भारी बारिश शनिवार सुबह भी जारी रही, जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं, पेड़ उखड़ गए, घरों को नुकसान पहुंचा और राज्य के कुछ हिस्सों में सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। अग्निशमन और बचाव सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि त्रिशूर के मनालूर में एक पेड़ अस्थायी शेड पर गिर गया, जिससे उसके नीचे सो रहे 29 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/RNI No. 58061/93.